# वार्तालाप नं 613, दिनांक 11.08.2008, मैसूर Disc.CD No. 613, dated 11.08.2008, at Mysore Part-1

समय: 00.09-04.06

जिज्ञासु:- बाबा, रुद्रमाला के 108 मणके राजा बनते हैं और बेसिक के मणके भी कोई-कोई राजा बनते हैं?

बाबा:- कोई-कोई क्या? वो 8 नारायण ही बनते हैं।

जिज्ञास्:- फिर कोई नहीं बनते? द्वापर कलय्ग में भी कोई नहीं बनते?

बाबा:- वो भी जब कृष्ण जैसी आत्मा की तरह कनवर्ट हो जाये, संग का रंग लेते-लेते तब ही होंगे। जैसे नारायण के साथ लक्ष्मी है। सूर्यवंशी कब बनती है? सूर्यवंश और चन्द्रवंश की भाव स्वभाव संस्कार मर्ज हो जावें। क्योंकि प्रवित्तमार्ग है न। चन्द्रगुप्त राजा बनेगा, विक्रमादित्य राजा बनेगा। कैसे बनेगा? कृष्ण वाली सोल ही तो विक्रमादित्य राजा बनती है। बनाने वाला भी चाहिए।

जिज्ञास्:- पर उनको कन्ट्रोलिंग पावर किसने सिखाया?

बाबा:- अभी तो सीख रहे हैं। अभी प्रवेश करके कन्ट्रोलिंग पावर सीख नहीं रहे हैं? बेसिक में थे, ब्रहमा बाबा की सोल, जो आया सो कन्ट्रोल करता चला गया, अपने प्रभाव में लेता चला गया। सब धर्म वाले आये, माँ की गोद में राज्य किया, तो कन्ट्रोल किया ना। अभी बाप सतयुग की बादशाही दे देते हैं। राजयोग सिखाते हैं। राज़ भरा हुआ है।

Time: 00.09-04.06

**Student:** Baba, 108 beads of the *Rudramaalaa*<sup>1</sup> become kings and do some of the beads of the basic [knowledge] also become kings?

**Baba:** Why some? Eight [of them] become Narayans.

**Student:** Doesn't anyone [of them] become [kings] except them (the Narayans)? Don't they become [kings] in the Copper and the Iron Ages either?

**Baba:** When they too *convert* like the soul of Krishna while taking the colour of the company, they will become [kings]. For example, there is Lakshmi along with Narayan, when does she become *Suryavanshi*<sup>2</sup>? It is when the nature and *sanskaars* of the *Suryavansh* (the Sun dynasty) and the *Chandravansh* (the Moon dynasty) *merge* to become one. It is because it is a path of household, isn't it? Chandragupt will become a king; Vikramaditya will become a king; how will he become that? It is the *soul* of Krishna itself that becomes king Vikramaditya. The one who makes [him so] is also required.

**Student:** But who taught them the *controlling power*?

**Baba:** They are learning now. Are they not learning the *controlling power* by entering? When the *soul* of Brahma Baba was in the basic [knowledge]; whoever came, controlled him, cast an influence over him. The souls of all the religions came;

\_

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup> The rosary of Rudra

<sup>&</sup>lt;sup>2</sup> The one belonging to the Sun dynasty

they ruled on the lap of the mother; so they controlled him (Brahma Baba), didn't they? Now the Father gives you the emperorship of the Golden Age. He teaches Raja yoga. It contains secret (*raaz*).

जिज्ञास:- और विदेश में जो राजा बनते हैं वो भी 108 मणके में हैं?

बाबा:- नहीं।

जिज्ञास्:- तो वो कब सीखते हैं?

बाबा:- वो तो हिंसक राजायें बनते हैं।

जिज्ञासु:- सभी हिंसक राजायें हैं।

बाबा:- सभी हिंसक राजायें हैं। द्वापरयुग से तो हिंसा ही हिंसा होती चली आई है। हिटलर ने क्या किया? मुसोलिनी, नेपोलियन बोनापार्ट। विदेशियों में भी महत्वाकांक्षी थे। विश्व के उपर राजाई करेंगे। और भारतवासियों में भी महत्वाकांक्षी हुये। लेकिन उन्होंने रास्ता गलत अपनाया। हिंसा का रास्ता अपनाया। और बाप आकरके अहिंसक रास्ता बताते हैं।

जिज्ञासु:- पर वो भी राज्य करते हैं।

बाबा:- वो राज्य करते हैं तो उनको रुहानी बाप से राजाई थोड़े ही मिलती है। उनको किससे मिलती है? बेहद का जिस्मानी बाप उनको राजाई देता है।

जिज्ञासु:- पर वो भी राजा बनते हैं।

बाबा:- हिंसक राजा बनते हैं।

**Student:** Are those who become kings in the foreign countries also included in the 108 beads?

Baba: No.

**Student:** So, when did they learn that? **Baba:** They become violent kings. **Student:** All kings are violent.

**Baba:** All kings are violent. From the Copper Age onwards there was violence and only violence. What did Hitler, Mussolini, Napoleon Bonaparte do? There were ambitious people (*mahatwaakaankshi*) among the foreigners as well. [They thought:] we will rule over the world. And even among the Indians there have been ambitious people. But they adopted the wrong path. They adopted the path of violence. And the Father comes and shows the non-violent path.

**Student:** But they rule, too.

**Baba:** They do rule, but they don't get the kingship from the Spiritual Father. From whom do they get [it]? The unlimited physical father gives them the kingship.

**Student:** But they become kings, too. **Baba:** They become violent kings.

समय: 04.13-05.50

जिज्ञास:- बाबा, नम्बर वन नारद ब्रहमा बाबा है क्या?

बाबा:- नम्बर वन हर बात में कौन है? (किसी ने कहा-बाप है।) दुनिया की ऐसी कोई बात नहीं जो तेरे पर लागू न होती हो। वो कौन है? (किसी ने कुछ कहा।) फिर? नारद क्या करता था? नार माना ज्ञान जल, द माने देने वाला, क्या देता था? ज्ञान जल देता था। खुद क्यों नहीं स्वर्ग में बैठता है, काहे के लिये नर्क में भटकता था? बाबा भी प्रश्न पूछते हैं- तुम्हारा बाप आया हुआ है हैविनली गाड फादर, तो तुम नर्क में क्यों भटकते हो? स्वर्ग में क्यों नहीं बैठे हुए हो?

जिजास्:- लेकिन वो तो प्रजापिता के लिये ...

बाबा:-हाँ, तो प्रजापिता के लिए... माना कोई कमी है न। याद का पुरुषार्थ करना पड़ता है। क्यों करना पड़ता है? सम्पन्न है तो याद का पुरुषार्थ करना पड़े? (किसी ने कुछ कहा।) फिर? (जिज्ञासु- लेकिन वो बाप समान बन जायेगा न।) वो तो सभी बन जायेंगे। ऐसी कौन सी आत्मा है जो सम्पूर्ण नहीं बनेगी? (जिज्ञासु-लेकिन 100 परसेन्ट?) हाँ, अपने-2 नंबर पर सभी बन जायेंगे। तो अव्वल नंबर नारद कौन हुआ? (जिज्ञासु-प्रजापिता।)

Time: 04.13-05.50

**Student:** Baba, is Brahma Baba the number one Narad?

**Baba:** Who is *No.1* in every aspect? (Student: The Father.) There is nothing in the world that is not applicable to you. Who is that [soul]? (Student said something.) Then? What did Narad do? *Naar* means the water of knowledge. *Da* means giver; what did he used to give? He used to give the water of knowledge. Why didn't he himself sit in heaven? Why did he wander in hell? Baba also asks a question: When your Father, the *heavenly* God the Father has come, why do you wander in hell? Why are you not sitting in heaven?

Student: But for Prajapita...

**Baba:** Yes, it is [applicable to] Prajapita, it means there is a shortcoming, isn't there? He has to make the *purushaarth* to remember [the Father]. Why does he have to make *purushaarth*? Will he have to make *purushaarth* to remember if he is perfect? (Someone said something.) Then? (Student: But, he will become equal to the Father, will he not?) Everyone will become that. Which soul will not become complete?

**Student:** But 100 percent ...?

**Baba:** Yes, everyone will become [complete] at their own time. So, who is the No.1 Narad? (Student: Prajapita.) ©

समय: 05.53-07.33

जिज्ञास:- बाबा, कंस ने सात नारायण को कोस लिया? यहां कंस कौन है?

बाबा:- सुना नहीं? भूल गए? कृष्ण ही कंस बनता है राम ही रावण बनता है। तो यज्ञ के आदि में बेसिक नालेज में कोई सात नारायण वाली आत्मायें रही ना। जो बेसिक नालेज में माया रावण से कोस ली गई। विकारी बन करके रह गई। कृष्ण बच गया। क्या? वो

उसके कुसावे में, वो सरेण्डर नहीं हुआ। बाकी को तो, सातों नारायण को सरेण्डर करके रख लिया।

जिज्ञासु:- लेकिन वो अंत में कंस का...

बाबा:- मुरली में तो कहीं बोला नहीं है कि कुमारों को सरेण्डर होना है। श्रीमत के बरिखलाफ काम हो गया न। कुमारों के लिये तो बोला है कि कुमार जो चाहे सो कर सकते हैं। इतनी ताकत है कुमारों में।

जिज्ञासु:- ब्रहमा बाबा के पीरीयड में भी कुमारों को सरेण्डर किया?

बाबा:- हुये न। क्या विश्व किशोर भाऊ नहीं था? विश्वरतन दादा नहीं थे? अच्छे-अच्छे कुमार थे।

Time: 05.53-07.33

**Student:** Baba, Kansa killed the seven Narayans? Who is Kansa here?

**Baba:** Did you not hear [about this]? Did you forget? Krishna himself becomes Kansa and Ram himself becomes Ravan. So, in the beginning of the *yagya* in the *basic knowledge* there were the souls of the seven Narayans, who were killed by Maya Ravan in the *basic* [knowledge], who became vicious, weren't they? Krishna survived. What? He was not killed by him (Kansa); he did not *surrender* himself. The remaining seven Narayans were made to surrender themselves.

Student: But in the end Kansa...

**Baba:** It has never been said in the murli that *kumars* (bachelors) should be surrendered. A task against the shrimat was performed, wasn't it? It has been said for the *kumars* that they can do whatever they wish. *Kumars* have such power.

**Student:** Were *kumars* surrendered during Brahma Baba's period as well?

**Baba:** They did, didn't they? Wasn't there Vishwa Kishore Bhau? Wasn't there Dada Vishwaratan? There were nice *kumars*.

समय: 07.39-09.35

जिज्ञासु:- बाबा, चार अष्टदेव सूर्यवंश से और चार चन्द्रवंश से बनेंगे।

बाबा:- वो तो सम्पूर्ण माला की बात है।

जिज्ञासु:- तो फिर सूर्यवंशी मणका पाँचवा मणका से आठवाँ मणका ...

बाबा:- अष्टदेव नहीं कहेंगे उनमें तो देवियाँ निकलेंगी।

जिज्ञासु:- तो अलग ही नम्बर है क्या?

बाबा:- नम्बर अलग नहीं है। प्रवृत्ति मार्ग के हो जायेंगे। माला जो है वो प्रवृत्तिमार्ग की है।

जिज्ञास्:- बाकी चार लोग हैं न उसका कोई नम्बर नहीं है क्या अष्टदेव में?

बाबा:- असली अष्टदेव तो वास्तव में सूर्यवंशी ही हैं, परन्तु वो चन्द्रवंशी भी सूर्यवंशी बन जाते हैं।

जिज्ञास्:- तो वो ये पद लेंगे।

बाबा:- फिर तो वो लास्ट सो फास्ट चले जाते हैं।

जिज्ञास:- इसका मतलब लक्ष्मी माँ भी अष्टदेवी में आती है?

बाबा:- देव कहा जाता है, देवी नहीं कही जाती।

जिज्ञास:- अष्टदेव का पद वो भी पायेंगे?

बाबा:- हँ।

Time: 07.39-09.35

**Student:** Four of the eight deities will be from Suryavansh<sup>3</sup> and four from

Chandravansh.

**Baba:** That is about the complete rosary.

**Student:** So, then as regards the *Suryavanshi* beads, from the fifth bead to the eighth bead...

**Baba:** They (the *Chandravanshis*) will not be called the eight *dev* (male deities); the devis (female deities) will emerge from among them.

**Student:** So, are their numbers separate?

**Baba:** Their numbers are not separate. They will become those of the household path. The rosary is of the household path.

**Student:** Don't the remaining four get any number (rank) among the eight deities? Baba: The true ashtdev (eight deities) are only the Suryavanshis; but those *Chandravanshis*<sup>4</sup> also become *Suryavanshis*.

Student: So they will obtain these ranks.

**Baba:** Then they go fast coming at last.

Student: So, does it mean that mother Lakshmi is also included among the eight deities?

**Baba:** They called *dev* (male deities) not *devis* (female deities). **Student:** Will they also obtain the position of eight deities?

Baba: Hm.

जिज्ञास:- कैसे बाबा? सिर्फ सूर्यवंशी हैं रुद्रमाला के मणके जो एडवांस में हैं जो डायरेक्ट बाप से ज्ञान सुनते हैं वही ये पद पायेंगे ऐसा है ना।

बाबा:- बाप के सिमरणी के माला के मणके बनना अच्छा है या विजयमाला के मणके बनना अच्छा है? (जिज्ञास् - बाप के सिमरणी के।) क्यों? क्योंकि वो पूर्वज हैं। चन्द्रवंशियों को पूर्वज कहेंगे या सूर्यवंशियों को पूर्वज कहेगें? (जिज्ञास्- सूर्यवंशियों को।) लेकिन सूर्यवंशी भी पूर्वज तब बनते हैं जब प्रवृत्तिमार्ग के हो जाते हैं। ज, ज माने जन्म लेने वाले। जन्म लेने वाले होंगे तो जन्म देने वाले भी तो होंगे। ऐसी ही पूर्वज बन जावेंगे? उनकी वंश परम्परा चलेगी तभी तो पूर्वज कहे जायेंगे। (जिज्ञास् - प्रवृत्तिमार्ग।) हाँ, तो प्रवृत्ति में होना जरुरी है।

<sup>&</sup>lt;sup>3</sup> The Sun dynasty

<sup>&</sup>lt;sup>4</sup> Those belonging to Moon dynasty.

**Student:** How is it so, Baba? Only the *Suryavanshis*, the beads of the *Rudramaalaa*, who are in the advance [party], those who listen to the knowledge directly from the Father, only they obtain this position. It happens this way, doesn't it?

**Baba:** Is it better to become the beads of the rosary that is remembered by the Father or is it better to become the beads of the *Vijaymaalaa*<sup>5</sup>? (Student: [The rosary] that the Father remembers.) Why? It is because they are the ancestors (*puurvaj*). Will the *Chandravanshis* or the *Suryavanshis* be called the ancestors?

**Student:** The *Suryavanshis*.

**Baba:** But the *Suryavanshis* also become ancestors only when they belong to the household path. *Ja*, *ja* means those who are born. When there are those who are born, there will be those who give birth as well. Will they simply become the ancestors? They will be called ancestors only when their dynasty continues. (Student: The household path.) Yes, so, it is necessary for them to be in the household path.

समय: 09.38-10.48

जिज्ञासु:- बाबा, 2018 में सारे अष्ट देव प्रत्यक्ष हो जायेंगे। उसका मतलब सिर्फ चार सूर्यवंशी प्रत्यक्ष हो जायेंगे या आठ सूर्यवंशी प्रत्यक्ष हो जायेंगे?

बाबा:- आठों ही सूर्यवंशी प्रत्यक्ष होंगे। साथ-साथ उनकी सहयोगिनी शक्तियां भी प्रत्यक्ष होंगी। प्रवृत्तिमार्ग के होंगे या निवृत्तिमार्ग के होंगे? प्रवृत्तिमार्ग के होंगे। पूरा परिवार होगा। परिवार की पहली इकाई होगी।

जिज्ञास:- प्रत्यक्ष उनके ग्र्प में होंगे या इधर आने के बाद प्रत्यक्ष होंगे वो लोग?

बाबा:- जब तक रुद्रमाला के मणके विजयमाला में एड न हों तब तक प्रवृत्ति पूरी होगी? नहीं होगी। ये तो सूर्यवंशियों, चन्द्रवंशियों की प्रवृत्ति है। सूर्यवंशी भी वो जो अपने को मर्ज कर दें।

Time: 09.38-10.48

**Student:** Baba, all the eight deities will be revealed in 2018. Does it mean that only four *Suryavanshis* will be revealed or will all the eight *Suryavanshis* be revealed?

**Baba:** All the eight *Suryavanshis* will be revealed. Along with them their cooperative powers (*shaktis*) will also be revealed. Will they belong to the household path or to the path of renunciation? They will belong to the household path. There will be an entire family. That will be the first unit of a family.

**Student:** Will they be revealed in their group or will they be revealed after they come here?

**Baba:** Will the household be complete until the beads of the *Rudramaalaa* are added to the *Vijaymaalaa*? It will not. This is a household of the *Suryavanshis* and the *Chandravanshis*. And *Suryavanshis* are those who merge themselves [with the Sun].

समय: 10.55-12.02

जिज्ञासु:- बाबा, अभी रुद्रमाला के दो सीट बाकी है।

-

<sup>&</sup>lt;sup>5</sup> The rosary of victory.

बाबा:- हाँ, अभी दो का नाम डिक्लेयर हैं। नाम डिक्लेयर है काम थोड़े ही डिक्लीयर है अभी। नाम जब जिन्दगी पूरी हो जाती है तब नाम रखा जाता है या शुरु शुरुआत में ही नाम रखा जाता है? (किसी ने कहा- काम पूरा होने पर।) नहीं। काम पूरा होता है तब नाम नहीं रखा जाता है। नाम तो शुरुवात में ही रख दिया। अब काम करके दिखाओ तब संसार में नाम बाला हो। ब्रहमा, विष्णु, शंकर ये प्रत्यक्ष तो पहले हो गए। इनका पार्ट ब्रहमा का है, इनका विष्णु का है, इनका शंकर का है। झण्डे के तीनों कपड़े तो डिक्लेयर हो गए। लेकिन क्या पार्ट भी डिक्लेयर हो गया? (किसीने कहा- नहीं।) कब होगा? जब विश्व विजय करके दिखलावे। किया धरा कुछ नहीं कुर्सी पे बैठ गए।

Time: 10.55-12.02

**Student:** Baba, now only two seats of the *Rudramala* are free.

**Baba:** Yes. Now the name of two [souls] have been declared. The name has been declared. The task [performed by them] has not been declared now. Is the name kept when the entire life is over or is the name kept in the beginning itself? (Student: When the task is complete.) No. The name is not kept when the task is completed. The name was kept in the beginning itself. The name will become famous when you perform the task now. Brahma, Vishnu and Shankar were revealed already before that this one plays the *part* of Brahma, this one plays [the part of] Vishnu; this one plays [the part of] Shankar. All the three cloths of the flag were declared. But is [their] *part* also declared? (Someone said: No.) When will it take place? It is when they conquer the world and show. © They did nothing and simply sat on the seat.

समय: 12.10-14.37

जिज्ञासु:- बाबा, दिति और अदिति सुरुची और सुनीति वो जगदम्बा माँ और लक्ष्मी माँ की यादगार है या माया बेटी और जगदम्बा का?

बाबा:- नहीं, नहीं, नहीं। सुरुची कहते हैं जो अपनी रुचिपूर्वक ज्यादा काम करे। स्व रुची, अपनी रुची से करे। श्रीमत के आधार पर उतना ध्यान न दे। और सुनीति वह है जो नीती नियम पूर्वक, जो भी भगवान के बनाए हुये नीति नियम हैं उनके पूर्वक कार्य करे। वो सुनीति है। तो दो ही हैं। जिन्होंने लक्ष्मी, महालक्ष्मी बनने का पुरुषार्थ किया। कौन-कौन? एक जगदम्बा और एक छोटी माँ। उन्हीं को अलग-2 नामों से, अलग-2 कामों से, अलग-2 रुपों में उनकी कथा कहानियां बनाय दी हैं। सुरुचि, सुनीति उत्तानपाद राजा की रानियां थीं। काम्पिल्य नगर में दिखाय दी। कश्यप ऋषि ने जो सृष्टि रची तो उनको भी प्रजापिता ब्रह्मा के रुप में दिखाय दिया है। उनके भी दो रानियाँ दिखाई हैं दिति-अदिति। दिति कहा जाता है खण्डित को और अदिति कहा जाता है जिसकी प्यूरीटी, पुरुषार्थ अखण्ड रहा। जो खण्डित हो गया तो दैत्य पैदा हो गए। दिति से दैत्य और अदिति से अद्वैत पैदा हुये। जिन्होंने किसी दूसरे को नहीं माना। एक शिव बाबा दूसरा न कोई। और दैत्यों ने? दैत्यों ने दो-दो बाप बनाय लिये।

Time: 12.10-14.37

**Student:** Baba, are Diti and Aditi or Suruchi and Suniti the memorial of mother Jagdamba and mother Lakshmi or is it of daughter Maya and Jagdamba?

**Baba:** No, no, no. The one who works more with her own interest (*ruchi*) is said to be Suruchi. *Swa* (self) *ruchi* (interest); the one who does things according to her own interest. She does not pay much attention to shrimat (God's directions). And Suniti is one who acts according to the policies and rules, according to the policies and rules set by God. She is Suniti. So, there are only two [souls] who made *purushaarth* to become Lakshmi and Mahalakshmi. Who are they? One is Jagdamba and the other is junior mother (*choti maa*). They have made their stories with different names, tasks and in different forms. Suruchi, Suniti were the queens of King Uttanpad. They were shown in the town of Kampil (Kampilya nagar). Sage Kashyap created the world; so he has been depicted in the form of Prajapita Brahma, too. He is also shown to have two queens (wives), Diti and Aditi. Diti means *khandit* (unsteady). And Aditi means the one whose purity, *purushaarth* remained *akhand* (constant). The one who became unsteady gave birth to demons. Diti gave birth to *daitya* (demons). And Aditi gave birth to *adwait* (non-dualistic), those who did not accept anyone else. One Shivbaba and no one else. And the demons made two fathers [their].

जिज्ञासु:- लेकिन कलईमगल वार्तालाप में आपने उसके साथ प्रेमकान्ता नाम को जोड़ा था ना। एक पेपर को फाड़कर आपने दिखाया।

बाबा:- दिति?

जिज्ञास्:- हां दिति के बारे में।

बाबा:- क्या?

जिज्ञास्:- वो माया बेटी।

बाबा:- वो सब उनकी औलादें हैं।

Student: But in Kalaimagal discussion, you had connected the name of Premkanta

with her (Diti). You showed it by tearing a paper.

Baba: Diti?

**Student:** Yes, about Diti.

**Baba:** What?

**Student:** Daughter Maya.

**Baba:** All of them are her children. ... (to be continued.)

Part-2

समय: 14.42-17.09

जिज्ञासु:- बाबा, हम पुरुषार्थ में उल्टा सीढ़ी चढ़ते हैं।

बाबा:- पुरुषार्थ में उल्टी सीढ़ी चढ़ते हैं।

जिज्ञासु:- हमको पता लग सकता है कि हम कलयुग का सीढ़ी क्रांस किये और...

बाबा:- ...त्रेता की सीढ़ी में चढ़ गए?

जिज्ञासु:- वो तो पता पड़ सकता है। पर कलियुग का सीढ़ी क्रॉस करने पर...

बाबा:- व्यभिचारी पना खत्म हो जाता है। व्यभिचारी ज्यादा बनते हैं कलयुग में। और द्वापर में इतने व्यभिचारी नहीं होते। दो राज्यों में भारतवर्ष में झगड़े भी नहीं होते थे उस समय द्वापर में। जब से मुसलमान आना शुरु हुए हैं तब से लड़ाई झगड़े शुरु हुए। सबसे पहला आक्रमण भारत में हुआ है मोहम्मद बिन कासिम का 1200 वर्ष पहले। तब से ये लड़ाई झगड़े और मारा मारी और युद्ध शुरु हो गए जोर से।

Time: 14.42-17.09

**Student:** Baba, we climb ladder while making *purushaarth*.

**Baba:** We climb ladder while making *purushaarth*.

Student: Can we know whether we have crossed the steps of the Iron Age and...

**Baba:** ... climbed the steps of the Silver Age?

**Student:** We can know about it but when we cross the steps of the Iron Age...

**Baba:** ...the adulterous nature ends. [People] become more adulterous in the Iron Age. They are not so much adulterous (*vyabhicaari*) in the Copper Age. At that time so many fights did not take place between two kingdoms in India. The fights and quarrels have started ever since the Muslims arrived. The first attack was carried out in India by Mohammed Bin Qasim 1200 years ago. From that time these fights and quarrels, beating and killing and wars have started with full force.

### जिज्ञास:- व्यभिचारी मतलब किस तरह का व्यभिचार खतम होता है?

बाबा:- अनेक रानियाँ रखीं राजाओं ने। यथा राजा तथा प्रजा। बुद्धि भटकती है अनेकों में। सम्बिधयों में बुद्धि भटकती है कि नहीं भटकती है? नहीं तो संबध तो सुख देने के लिये होते हैं। संबंध होते हैं सुख देने के लिये और संबंध सुख देने के बजाय दुख दें उन्हीं में बुद्वि भटकती रहे तो फायदा क्या हुआ? राजाओं की भी ढ़ेर सारी रानियां, उनमें बुद्वि भटकने लगी। टू मेनी क्वीन्स। तो राज्य चलायेंगे में या राज्य का चौपट कर देंगे? राज काज में ध्यान जायेगा या रानियों में ही ध्यान ढेर सारा चला जायेगा? राज काज सारा चौपट कर दिया। नहीं तो राजा का मुख्य काम है अपनी प्रजा को खुश रखना, सुखी रखना।

**Student:** Adultery refers to which kind of adultery that comes to an end?

**Baba**: The kings kept many queens. As is the king, so are the subjects. The intellect wanders in many. Does the intellect wander in the relatives or not? Otherwise, relationships are for giving joy. Relations are for giving happiness and instead of giving happiness, if the relationships give sorrow and the intellect keeps wandering in them, then what is the benefit? The kings also kept many queens. Their intellect started wandering in them. *Too many queens*. So, will they run the kingdom or will the spoil the kingdom? Will they pay attention to the kingdom or will all their attention be diverted to the queens? They spoilt the entire administration. Otherwise, the main task of the king is to keep his subjects happy, to keep them joyful.

समय: 17.21-20.15

जिज्ञास:- बाबा, आठ के अलावा सभी लोग बर्फ में दबे रहते हैं?

बाबा:- आठ के अलावा सभी बर्फ में दबे...?

जिज्ञासु:- अष्टदेव के अलावा। धर्मराज का दण्ड वो नहीं पाते हैं न।

बाबा:- धर्मराज का दण्ड नहीं पाते हैं बाकी आत्मा उनकी पहले से ही उड़ जाय और शरीर बर्फ में दबा रहे तो हर्जा क्या है? ये भी तो हो सकता है कि उन्होंने अपने पुरुषार्थ से अपने शरीर को स्वयं ही त्याग दिया। और वो तो ऐसे पुरुषार्थी हैं जो दूसरों में प्रवेश करके भी पार्ट बजायेंगे। इन एटम बम्ब बनाने वालों में थोड़े ही हिम्मत है कि एटम बम्ब फोड़ सकें। पावरफुल आत्मायें उनमें प्रवेश करेंगी और प्रवेश करके उनकी बुद्वि को घुमाय देंगी। और ताबड़तोड़ विनाश होगा। वो निकल के फिर वापस आ जायेंगी। तो जिनमें पहले से ही ताकत है शरीर को छोड़ने की या शरीर को ग्रहण करने की, वो तो शरीर पहले से ही छोड़ देंगे। पहले से ही जैसे... (किसी ने कुछ कहा।) हाँ।

जिज्ञासु:- आठ के लिये, बाकी सभी बर्फ में

बाबा:- वो भी बर्फ में दबेंगे। आठ भी बर्फ में दबेंगे। आठ के शरीर भी बर्फ में दबेंगे। आत्मा स्वतंत्र हो जावेगी।

जिज्ञासु:- फिर बाकी सभी का?

बाबा:- सभी भी दबेंगे लेकिन जब दबेंगे तो उनकी आत्मा भी रहेगी। छटपटायेंगे थोड़ा समय।

Time: 17.21-20.15

**Student:** Baba, all the people except the eight remain buried under the ice.

**Baba:** Except eight others are buried in ice...?

**Student:** Except the eight deities. They don't suffer the punishments of Dharmraj (the Chief Justice), do they?

**Baba:** They do not suffer the punishments of Dharmaraj, but what is the harm if their soul goes away beforehand and the body remains buried under the ice? It can also be possible that they leave their body voluntarily through their own *purushaarth*. And they are such *purushaarthiis*<sup>6</sup>, who will also enter others and play their *part*. Those who produce atom bombs do not have the courage to explode them. *Powerful* souls will enter them and turn their intellect. And then the destruction will take place in a quick succession. They (the powerful souls) will come out and return [to their body]. So, those who already have the power to leave the body and then take it on will leave their body beforehand. It is as if beforehand... (Someone said something.) Yes.

**Student:** That is about the eight, the rest will be in ice...

**Baba:** They will also be buried in ice. The eight will also be buried. The bodies of the eight will also be buried under ice. The soul will become independent.

**Student:** What about the rest?

**Baba:** Everyone else will also be buried. But when they are buried, their soul will also be in them. They will experience restlessness for some time.

6

<sup>&</sup>lt;sup>6</sup> The ones who make spiritual effort

दूसरा जिजास:- एक को छोड़ के सब बर्फ में दबेंगे न।

बाबा:- एक को क्यों? आठ को छोड़कर। आठ भी, आठ के भी शरीर तो बर्फ में ही रहेंगे सुरक्षित। क्या? हाँ, आठ के शरीर भी बर्फ में सुरक्षित रहेंगे। बड़े-2 भूकम्प आयेंगे, सारी पृथ्वी हिलेगी, डुलेगी, पृथ्वी की धुरी ही जब चेन्ज हो जायेगी तो कुछ बचेगा क्या? कुछ नहीं बचेगा।

जिज्ञास:- लेकिन उनमें से एक लाख को शालीग्राम बच्चे कहते हैं ना। उनका क्या?

बाबा:- उनका यही पार्ट है कि वो अपना शरीर रहते-2 ही पाँच तत्वों के उपर कन्ट्रोल प्राप्त करने वाले होंगे नम्बरवार। एक जैसे नहीं होंगे। उनमें फर्स्ट क्लास, अव्वल नम्बर, 100 परसेन्ट कन्ट्रोल करने वाले होंगे आठ। बाकी नंबरवार।

जिज्ञास्:- बाकी साढ़े तीन लाख बच्चे?

बाबा:- वो तो दूसरे-2 धर्म के हैं। दूसरे धर्म के बीज हैं कि नहीं? हाँ।

**Another student:** Except the one, all the others will be buried in the ice, won't they? **Baba:** Why [except] the one? Except the eight. The body of the eight will also remain safe in ice itself. What? Yes, the body of the eight will also remain safe in ice. Big earthquakes will occur; the entire Earth will shake and quake. When the axis of the Earth itself changes, will anything survive? Nothing will survive.

**Student:** But among them one lakh children are called *shaaligraams*<sup>7</sup>, aren't they? What about them?

**Baba:** Their *part* is such that they will control the five elements at different levels (number wise) while being in their body itself. They will not be alike. Among them those who come in *first class*, those who come first, those who *control* [the five elements] *hundred percent* will be the eight [souls]. The rest are numberwise.

**Student:** The rest 450 thousand children?

**Baba:** They belong to the other religions. Are there the seeds of other religions or not? Yes.

समय: 20.18-22.05

जिज्ञासु:- बाबा, सूर्यग्रहण के समय अल्ट्रावायलेट रेज निकलती है, ऐसा बोलते हैं न, वो ब्रा असर करती है।

बाबा:- हाँ, कहते हैं सूर्य ग्रहण जब पड़ रहा हो तो देखना नहीं चाहिए।

जिज्ञासु:- सूर्य को नहीं देखना चाहिए।

बाबा:- हाँ, सूर्य ग्रहण पड़ेगा, सूर्य को देखा तो दोष लग जाय, आखों का कोई अन्धा हो सकता है। यहाँ ज्ञान में भी सूर्य को ग्रहण लगा हुआ हो...। (बहुतों ने कहा- सूर्य को ग्रहण नहीं लगता।) लगता नहीं है। वो तो याद में रहता है लेकिन अगर कोई देखे तो देखने वाले की बुद्वि खराब होगी या सूर्य की बुद्वि खराब होगी? देखने वाले की बुद्वि खराब हो जावेगी। अंधा हो जायेगा ज्ञान का। बह्त हैं जो पड़े-2 यही देखते रहते हैं।

-

<sup>&</sup>lt;sup>7</sup> Small round pebbles considered sacred in the path of *bhakti* 

(जिज्ञासु ने कुछ कहा होगा।) सूर्य से रेज नहीं निकलता। स्थूल में रेज-वेज कुछ नहीं निकलती। सूर्य तो आग का गोला है। उसके बीच में तो चन्द्रमा आ गया पृथ्वी और सूर्य के बीच में। चंद्रमाँ तो दुर है आग का कहां से निकलेगी? जैसे सूर्य पहले तपता है। वैसे चन्द्रमा सामने आ गया तो भी उतना ही तपेगा।

Time: 20.18-22.05

**Student:** Baba, it is said that ultraviolet rays emerge [from the sun] at the time of the solar eclipse (*suryagrahan*), they cause a bad effect.

**Baba:** Yes, it is said that when it is the solar eclipse, you should not see [the sun].

**Student:** You should not see the sun.

**Baba:** Yes, if you see the Sun when the solar eclipse occurs, you will accrue sin; someone may even become blind. Even here in this knowledge, when the Sun is eclipsed... (Students: The Sun is not eclipsed.) It is not eclipsed. He does remain in remembrance, but if someone sees [him], then will the observer's intellect be spoiled or will the Sun's intellect be spoiled? The observer's intellect will be spoiled. He will become blind to knowledge. There are many who lie and keep seeing just this. (The student must have said something.) *Rays* do not emerge from the sun. No rays emerge from the physical [sun]. The sun is a ball of fire. The moon came in between; between the earth and the sun. The moon is far, from where will the rays emerge? Just as the sun burns earlier, similarly, if the moon comes in front of it, it will burn to the same extent.

जिजास:- सूर्य में कुछ भी चेंज नहीं होता बाबा?

बाबा:- सूर्य में कुछ भी चेंज नहीं होता। परछाया जो है चन्द्रमा की, वो पृथ्वीवासियों के उपर पड़ती है। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, ज्ञान चन्द्रमा यहाँ ब्रह्मा है। ब्रह्मा के परछाया के अन्दर जो-जो आत्मायें आ जाती हैं, ब्रह्मा बाबा के प्रभाव में जो-जो आत्मायें आ जाती हैं, वो फिर अज्ञान अंधेरे में आ जाती हैं।

Student: Does nothing change in the sun, Baba?

**Baba:** Nothing changes in the sun. The shadow of the moon falls on the residents of Earth. (Student said something.) Yes, here, the Moon of knowledge is Brahma. All the souls that come under the shadow of Brahma, all the souls that come under the influence of Brahma Baba come in the darkness of ignorance.

समय: 22.10-22.58

जिज्ञासु:- बाबा, महाविनाश के समय हिमालय पहाड़ भी पिघल जाता है न? वो नहीं रहेगा सतयुग में ऐसे बताया ना।

बाबा:- सब क्छ टूट-फूट होगी।

जिज्ञास्:- तो उस समय वो सारा पानी जो है बर्फ में अभी हिमालय पहाड़ में ...

बाबा:- हिमालय पहाड़ में तो कुछ भी पानी नहीं है कुछ भी बर्फ नहीं है। बर्फ के मीलों ऊँचे, किलोमीटर ऊँचे पहाड़ तो नार्थ पोल और साउथ पोल में हैं। वो अभी धीरे-2 फट रहे हैं। हिमालय पर उतनी बर्फ नहीं है। बहुत थोड़ी बर्फ है। उनके मुकाबले साउथ पोल और नार्थ पोल में बह्त ऊँचे-2 पहाड़ हैं बर्फ के।

Time: 22.10-22.58

**Student:** Baba, even the Himalaya melts at the time of the great destruction, doesn't it? It is said that it won't remain in the Golden Age.

**Baba:** Everything will be destroyed.

**Student:** So, at that time all that water which is in the form of ice on the Himalaya now...

**Baba:** There is no water, no ice on the Himalaya; there are miles, kilometers high mountains of ice on the North Pole and the South Pole. They too are gradually melting now. There is not so much ice on the Himalayas. There is very little ice. When compared to that there are very high mountains of ice on the North Pole and the South Pole.

समय: 23.05-28.15

जिज्ञासु:- बाबा, लक्ष्मी माँ हर जन्म में, द्वापर और कलयुग में, शम्भु को ही वरती है मतलब...

बाबा:- नहीं हर जन्म में नहीं। ये रगर है, ये उनका प्रतिज्ञा है, कि वरण करुँगी तो उसी को करुँगी अगर वरण नहीं करुँगी तो सन्यासिनी होकर रहूँगी। कुंवारी हो करके रहूँगी।

Time: 23.05-28.15

**Student:** Baba, mother Lakshmi marries only Shambhu in every birth, in the Copper Age and the Iron Age; it means...

**Baba**: No, not in every birth. It is her desire, her vow: if I marry, I will marry only him; if I do not marry [him], I shall remain a *sanyasi*, I shall remain a virgin.

जिज्ञासु:- और जब वो पुरुष बनती है...

बाबा:- हाँ, प्रुष का जन्म लेगी तब वो स्त्री बनेगा।

जिज्ञासु:- राम वाली आत्मा स्त्री बनता है।

बाबा:- हाँ, राम वाली आत्मा स्त्री बनेगी तो भी उसी के साथ सानिध्य होगा।

जिज्ञास्:- राम वाली आत्मा

बाबा:- के साथ सानिध्य होगा।

जिज्ञासु:- पर उस समय भी वो बिना वर के रह जाती है क्या बाबा?

बाबा:- काहे के लिये? वो मिल रहा है ना साथ।

जिज्ञासु:- न मिले तो?

बाबा:- ऐसे कैसे, ये क्या बात हो गई?

जिज्ञास्:- जब वो स्त्री बनती है...।

बाबा:- यहाँ जैसे संकल्प होंगे वैसा ही तो वहाँ होगा।

**Student:** And when she becomes a male.

**Baba:** Yes, he (the soul of Ram) will become a female when she is born as a male.

**Student:** The soul of Ram becomes a female.

**Baba:** Yes, even when the soul of Ram becomes a female, she will have his company.

**Student:** The soul of Ram...

**Baba:** ... [she] will have his company.

**Student:** But at that time also does she remain without a husband, Baba?

**Baba:** Why? She is having his company, isn't she? **Student:** What if she doesn't get [his company]? **Baba:** How can that be possible? What is this?

**Student:** When she becomes a female...

**Baba:** It will happen in accordance with the thoughts that are created here.

जिज्ञासु:- जब स्त्री बनती है कभी-2 ऐसा भी हो सकता है वो राम वाली आत्मा पुरुष नहीं मिलता है।

बाबा:- क्यों नहीं मिलता?

जिज्ञासु:- वो क्वांरी बन जाते हैं।

बाबा:- तो क्वांरी रहेगी।

जिज्ञासु:- उसी तरह जब वो पुरुष बनती है...

बाबा:- तो पुरुष तो अक्सर करके सन्यासी बनके रहते हैं। वो क्या बड़ी बात हो गई? अभी ब्रहमाकुमारियाँ सन्यास धर्म की हैं या प्रवृत्तिमार्ग की हैं? उनके ज्यादा संस्कार कौन से हैं? (किसीने कहा - सन्यास धर्म के।)

जिज्ञास्:- ऐसा भी हो सकता हैं।

बाबा:- होता ही है।

जिज्ञासु:- और हमेशा उन दोनों में भी सेम ऐज होना चाहिए?

बाबा:- कोई जरुरी नहीं है।

जिज्ञासु:- क्योंकि वरने के लिये एक बच्चा, एक बुढ्ढा नहीं होना चाहिए।

बाबा:- 16 साल की कुमारियाँ रही हैं और 60-60 साल के राजायें रहे हैं। क्या बड़ी बात हो गई?

**Student:** When she becomes a female, sometimes it can also happen that the soul of Ram does not get the body of a male.

**Baba:** Why doesn't he get it? **Student:** She remains a virgin. **Baba:** Then, she will remain a virgin.

**Student:** Similarly, when she becomes a male...

**Baba:** The males generally remain *sanyasis*. That is not a big issue. Now, do the Brahmakumaris belong to the Sanyas religion or to the household path? Which *sanskaars* do they have more?

**Student:** This can also be possible.

-

**Baba:** It does happen like that.

**Student:** And should their age be the same always?

**Baba:** It is not necessary.

Student: It is because in order to get married, it should not be that one is a child and

the other is an old person.

**Baba:** There have been 16 years old virgins and 60 years old kings [getting married].

What is a big deal in it?

जिज्ञासु:- ऐसा भी हो सकता है?

बाबा:- हाँ।

जिज्ञासु:- पर वो मर्यादा पुरुषोत्तम ...

बाबा:- मर्यादा पुरुषोत्तम सतयुग, त्रेता में होते हैं न कि द्वापर कलयुग में मर्यादायें होती हैं? द्वापरयुग में तो सारी मर्यादायें टूट जाती हैं।

जिज्ञासु:- वो जब प्रूष बनती है लक्ष्मी माता वो भी दो-2 तीन रानियाँ रखती है?

बाबा:- जो यहाँ चरित्रवान होगा वो वहां दुर्गादास नहीं बनेगा? जो यहाँ संगमयुग में चरित्रवान बनने का प्रैक्टिकल पार्ट बजायेगा वो वहाँ द्वापर कलियुग में चरित्रवान नहीं होगा? (जिज्ञासु: होगा।) फिर? होगा। दुर्गादास का पार्ट बजाता है। मुसलमानों की ढेर र की ढेर रानिया हरम में मिल भी गई तो भी उनको उठाकरके कहाँ पहुँचा दिया? मुसलमानों के देश में पहुँचा दिया।

**Student:** This can also be possible, but *maryaadaa purushottam*<sup>8</sup>...

**Baba:** Are they *maryaadaa purushottam* in the Golden and Silver Ages or are there codes of conduct (*maryaadaa*) in the Copper and the Iron Ages?

**Student:** In the Copper Age when...

**Baba:** All the codes of conduct break in the Copper Age.

**Student:** When mother Lakshmi becomes a male then does she too have two-three queens?

**Baba:** Won't the one who is well-charactered (*caritravaan*) here become Durgadas there? Won't the one who plays the *part* of being well-charactered in practice in the Confluence Age here be well-charactered there in the Copper and the Iron Ages? (Student: He will.) Then? He will. She plays the *part* of Durgadas. Even if he got numerous Muslims queens in harem, where did he send them? He sent them to the country of the Muslims.

जिज्ञास:- तो द्र्गा दास का पार्ट किसका है बाबा?

बाबा:- जो चरित्रवान राजायें होंगे उन्हीं का होगा।

जिज्ञास:- राम वाली का या?

बाबा:- राम वाली आत्मा द्ष्चिरित्र है द्निया की सबसे ज्यादा या चरित्रवान् है?

\_

<sup>&</sup>lt;sup>8</sup> Best among all *purush* (soul) in following the code of conduct.

जिज्ञासु:- द्ष्चरित्र है।

बाबा:- पतित से पतित है या अध्री पतित है? अरे!

जिज्ञासु:- पतित है।

बाबा:- पितत है। फिर? मार्यादा पुरुषोत्तम का पार्ट वास्तव में राम वाली आत्मा बजाती है या जो सीता वाली आत्मा है वो बजाती है?

जिज्ञासु:- तो दुर्गादास का पार्ट सीता वाली आत्मा का है।

बाबा:- बिल्कुल। बड़ी माँ कौन बनेगी? जगदम्बा। वो तो हो गई दुर्गा और वो अपनी दासी किसको बनायेगी? घर-घर में तो होता है। सास होती है रानी और बहू क्या बनके आती है? दासी बनके आती है। तो वहाँ दुर्गादास नहीं होगा क्या?

**Student:** So, who plays the *part* of Durgadas, Baba?

**Baba:** It will be played by those who are well charactered (*caritravaan*) kings.

**Student:** The soul of Ram or..?

**Baba:** Is the soul of Ram the most ill-charactered (*dushcaritra*) soul of the world or is

it well-charactered? **Student:** Ill-charactered.

**Baba:** Is it the most sinful or is it incompletely sinful? *Arey*!

**Student:** It is sinful.

Baba: It is sinful. Then? Is it the soul of Ram or the soul of Sita who plays the part of

[being] maryaadaa purushottam in reality?

**Student:** So, the soul of Sita plays the *part* of Durgadas.

**Baba:** Definitely. What will the senior mother become? Jagdamba. She is Durga and whom will she make her *daasi* (maid)? It happens in every home; the mother-in-law is the queen and what does the daughter-in-law come as? She comes as the maid. So, will there not be Durgadas there?

## दूसरा जिज्ञासु:- राज माता और राज लक्ष्मी।

बाबा:- हाँ, राज लक्ष्मी तो छोटी होती है न। राजमाता को ज्यादा मान देना पड़ता है। अरे! एडवांस ज्ञान है एडवांस ज्ञान सबसे ज्यादा किसमें है? रुद्रमाला में कन्याओं माताओं के बीच में सबसे ज्यादा ज्ञान किसमें है? जगदम्बा में। और जो लक्ष्मी निकलेगी। क्या कोई दुर्योधन-दुःशासन से ज्ञान लेगी क्या? किससे लेगी? (जिज्ञासुः जगदम्बा से।) जगदम्बा से ही लेगी। तो कोई जिससे ज्ञान लेता है उसका क्या बन जाता है। अपने को नीचा समझता है या ऊँचा समझता है? भले ऊँचा हो बाबा ने तो बोला है कोई ब्रह्माकुमारी राजाकुमारी बनेगी, कोई प्रजाकुमारी बनेगी। यहाँ जिसने दुर्गादास का पार्ट बजाया होगा वो वहां भी दुर्गादास का पार्ट बजाता है।

Another student: Queen mother (raajmaataa) and queen (raajlakshmi).

**Baba:** The queen is junior, isn't she? The queen mother has to be given more respect. *Arey!* There is the advance knowledge. Who possesses advance knowledge the most? Among the virgins and mothers of the *Rudramaalaa* who has knowledge the most?

Jagdamba. And when Lakshmi emerges, will she obtain knowledge from any Duryodhan-Dushasan<sup>9</sup>? From whom will she obtain it?

**Student:** From Jagdamba.

**Baba:** She will obtain it only from Jagdamba. So, if someone obtains knowledge from someone, then what does he become for him? Does he consider himself to be low or high? Although he is high... Baba has said that some Brahmakumari will become a princess (*raajaa kumaari*) and some Brahmakumari will become a subject (*prajaa kumaari*). The one who will have played the *part* of Durgadas here, plays the *part* of Durgadas there as well. ... (to be continued.)

#### Part-3

समय: 28.17-28.45

जिज्ञासु:- बाबा, एक सी.डी में नारायण ही लक्ष्मी को ज्ञान देते हैं अन्त में ऐसे बोला न। बाबा:- लक्ष्मी को ज्ञान देता कौन है?

जिज्ञास्:- नारायण।

बाबा:- नारायण कहाँ से आता है? नारायण के पास ज्ञान कहा से आता है? शिवबाबा से आता है। तो शिवबाबा जो नारायण है वो ज्ञान किसको देता है? लक्ष्मी बड़ी या महालक्ष्मी बड़ी? महालक्ष्मी है पहले।

Time: 28.17-28.45

Student: Baba, in a CD it has been said that it is Narayan who gives knowledge to

Lakshmi in the end, hasn't it?

**Baba:** Who gives knowledge to Lakshmi?

**Student:** Narayan.

**Baba:** Where does Narayan come from? Where does Narayan receive knowledge from? It comes from Shivbaba. And whom does Shivbaba who is Narayan give knowledge to? Is Lakshmi senior or Mahalakshmi senior? Mahalakshmi is first.

समय: 28.48-30.47

जिज्ञासु:- बाबा, लक्ष्मी माँ मुस्लिम रानी भी बनती है क्या?

बाबा:- लक्ष्मी ? वो क्यों बनेगी?

जिज्ञासु:- क्योंकि आपने बताया शाहजहाँ की पत्नी मुमताज बेगम वो लक्ष्मी का यादगार है ऐसा। लक्ष्मी का पार्ट।

बाबा:- वो ताज है जिम्मेवारी का ताज।

जिज्ञास्:- पवित्रता का ताज।

बाबा:- हाँ जिम्मेवारी का ताज, पवित्रता का ताज धारण किसने किया?

जिज्ञास्:- लक्ष्मी ने।

\_

<sup>&</sup>lt;sup>9</sup> Villainous characters in the epic Mahabharata

बाबा:- हँ। जो सच्चा प्यार है, वो दिखाया गया है उसका मॉन्युमेंट यादगार बनाई गई है ताजमहल।

जिज्ञासु:- मुमताज महल बेगम ।

बाबा:- जगदम्बा का पार्ट है?

जिज्ञासु:- नहीं, लक्ष्मी माँ का।

बाबा:- हाँ बिल्कुल। प्यार का पार्ट है न।

Time: 28.48-30.47

**Student:** Baba, does mother Lakshmi become a Muslim queen too?

**Baba:** Lakshmi? Why will she become that?

Student: It is because you said that Mumtaz Begum, wife of Shahjahan is a memorial

of Lakshmi. It is Lakshmi's part.

**Baba:** That *taaj* (crown) is a crown of responsibility.

**Student:** The crown of purity.

**Baba:** Yes, who wore the crown of responsibility, the crown of purity?

**Student:** Lakshmi.

**Baba:** Yes. The true love has been shown; its memorial has been built as a *monument*,

the Tajmahal.

**Student:** Mumtaz Mahal Begum. **Baba:** Is it Jagdamba's *part*?

**Student:** No, it is of mother Lakshmi.

**Baba:** Yes, definitely. It is a *part* of love, isn't it?

जिज्ञासु:- लेकिन वो मुस्लिम रानी भी बनती है लक्ष्मी?

बाबा:- तो क्या ह्आ? साथ किसका देना है?

जिज्ञासु:- बाप का ही साथ। लेकिन हम तो समझे थे सिर्फ हिन्दु धर्म में ही राजपूत रानी...

बाबा:- अच्छा! स्वधर्म में रहे तो साथ दे और दूसरे धर्म में चला जाये तो साथ न दे तो सच्चा साथी हुआ? सच्चा साथी हर स्थिति में साथ देगा या कभी साथ देगा, कभी नहीं देगा? (किसीने कहा - हमेशा साथ देगा।)

जिज्ञासु:- तो क्वीन विक्टोरिया भी उसी का पार्ट है।

बाबा:- विक्टोरि यह। यह रही जीत। कहाँ से आती है? कलकत्ते से आती है या बम्बई से आती है? वहां उसका यादगार बना दिया गया इण्डिया गेट। कहाँ? बम्बई में। गेट हो गया लक्ष्मी के आने का।

**Student:** But does she, i.e. Lakshmi become a Muslim queen as well?

**Baba:** So, what? Whom should she give company?

**Student:** She should give company to the Father. But we thought that [she becomes] only a Rajput queen in Hinduism.

**Baba:** Acchaa! If someone gives company [to someone] if he is in swadharma (one's own religion) and does not give company if he goes to another religion, then is he a

true companion? Will a true companion give company [to someone] under every circumstance or will he give company on some occasions and will not give company on some other occasions? (Someone said: He will always give company.)

**Student:** So, the part of Queen Victoria also is her part.

**Baba:** Victory *yah*. This is the victory. Where does she come from? Does she come from Kolkata or from Bombay? There a memorial has been built in the form of the India Gate (Gateway of India) for her. Where? In Bombay. It is the *gate* of Lakshmi's arrival.

समय: 30.56-32.37

जिज्ञासु:- बाबा, कृष्ण की आत्मा विक्रमादित्य के अलावा और कौन-2 बनता है? बाबा:- अब ये तो क्या बाबा बताते है बैठकरके? एक-2 का पार्ट बोर्ड पर बैठकर बतावेंगे? वो तो स्वत: ही टाईम आवेगा तो राम कृष्ण की आत्मायें अपने मुख से अपना ही पार्ट बतावेंगी. सिद्ध करके बतावेंगी।

Time: 30.56-32.37

**Student:** Baba, what all does the soul of Krishna become apart from Vikramaditya? **Baba:** Well, does Baba say all this? Will He tell [you] everyone's part [writing it] on a *board*? Automatically a time will come when the souls of Ram and Krishna will reveal their parts; prove their part through their own mouth.

जिज्ञासु:- 18 के बाद ...

बाबा:- 18 के बाद भी होगा।

जिज्ञास्:- बताने का पार्ट।

बाबा:- बिल्क्ल। अभी नहीं पता चल रहा है क्या?

जिजासु:- मुझे नहीं मालूम।

बाबा:- क्यों? तुलसीदास का पार्ट किस आत्मा का है? अपनी-2 कथा कहानियाँ अपने शास्त्रों में बैठ लिखी है मुरली में बोला । अपनी-2 कथा कहानियाँ बैठ शास्त्रों में लिखी है। तो रामायण किसने लिखी? तुलसी दास ने। तो तुलसीदास कौन सी आत्मा हुये? राम के चरित्र के बारे में राम वाली आत्मा के अलावा और कोई बता सकता है गहराई? वो ही आत्मा बैठ करके रामायण लिखी।

Student: After 18...

**Baba:** It will happen after 18 as well. **Student:** The part of revealing [parts].

**Baba:** Definitely. Are you not getting to know [the parts] now?

**Student:** I don't know.

**Baba:** Why? Which soul plays the *part* of Tulsidas? They have written their own stories in their scriptures this has been said in the murli. They have written their own stories in the scriptures. Who wrote the Ramayana? (Student: Tulsidas.) Tulsidas. Which soul is Tulsidas? Can anyone except the soul of Ram tell in depth about the character of Ram? The same soul wrote the Ramayana.

जिज्ञासु:- नहीं दादा लेखराज आत्मा के बारे में प्छ रहा हूँ।

बाबा:- सूरसागर। सूरसागर किसने लिखा?

जिज्ञास्:- सूरदास ने।

बाबा:- सूरदास ने लिखा, सूरदास कौन सी आत्मा ह्ई?

जिज्ञास्:- कृष्ण।

बाबा:- किसके चरित्र है सूरसागर में? कृष्ण के चरित्र है। कृष्ण की आत्मा सूरदास बनी।

Student: No, I am asking about the soul of Dada Lekhraj.

Baba: Soorsagar. Who wrote Soorsagar?

Student: Soordas.

Baba: Soordas wrote it. Which soul is Soordas?

Student: Krishna.

Baba: Whose acts are mentioned in Soorsagar? There are acts of Krsihna. Krishna's

soul became Soordas.

समय: 32.40-34.02

जिज्ञासु:- बाबा आप आल इण्डिया टूर करते रहते हैं। ऐसा टाईम आ सकता है क्या कि आप नार्थ इण्डिया में ही रहे साउथ इण्डिया में नहीं आए?

बाबा:- नार्थ इण्डिया वाले कहते हैं साउथ इण्डिया में ही बाबा बैठे रहते हैं। साउथ इण्डिया वाले कहते हैं बाबा नार्थ इण्डिया में ही बैठे रहते हैं।

जिजासु:- नहीं फ्य्चर की बात कर रहा हूँ।

बाबा:- सदा एक जैसा सबका समय थोड़े ही होता है। ये तो अपना बुद्धियोग का पार्ट है जिसका बुद्धियोग ज्यादा तीखा होता है बाबा उधर ही चला जाता है।

जिज्ञासु:- इसका मतलब साउथ इण्डिया के लोग बह्त एट्रेक्ट करते हैं।

बाबा:- एक लोहे का गोला है, एक चुम्बक का गोला है। जहां लोहा ज्यादा होगा चुम्बक अपने आप उधर ही खींच जाएगा। उधर लोहा कम है तो चुम्बक भारी लोहे की तरफ खिंचेगा या हल्की लोहे की तरफ खिंचेगा? याद कौन करता है? दु:खी याद करते हैं या सुखी याद करते हैं? जो ज्यादा दु:खी होते हैं वो ज्यादा याद करते हैं, भावना से खींचते हैं। बाबा खिंच जाता है उधर।

Time: 32.40-34.02

**Student:** Baba, you are touring all over India; can such a time come when you will stay only in North India and not come to South India?

Baba: North Indians say that Baba sits only in South India and the South Indians say

that Baba sits only in North India. ©

**Student:** No, I am talking about the future.

**Baba:** Anyone doesn't experience the same kind of time always. This is a *part* of the connection of one's own intellect. The sharper the connection of the intellect of someone is, Baba goes to that very place.

**Student:** It means that South Indians attract Him a lot.

**Baba:** There is a ball of iron and there is a ball of magnet. Where there is more iron, the magnet will be pulled there automatically. If the iron is less there, then will the magnet be pulled towards the heavy iron or the light iron? Who remembers [the Father]? Do the ones who are sorrowful remember [Him] or do the ones who are happy remember [Him]? Those who are more sorrowful remember [Him] more. They pull [Baba] through their feelings so, he gets pulled towards that place.

समय: 34.07-35.21

जिज्ञास्:- सेवकराम अपना शरीर छोडने के बाद कितना देर के बाद दूसरा जन्म लेता है?

बाबा:- एक सेकेण्ड में।

जिज्ञासु:- ऐसा नहीं। मेरा मतलब ऐसा नहीं है। सेवकराम अपना शरीर छोड़ता है, छोड़ने के बाद दूसरा शरीर लेने के लिये एक वर्ष होता है या 2-3 साल होता है?

बाबा:- चार महीने होते हैं जन्म लेने में।

जिज्ञासु:- ऐसा ही ह्आ क्या?

बाबा:- हाँ जी। कोई भी आत्मा शरीर छोड़ती है...

जिजासु:- वो जनरल बात है...

बाबा:- जनरल ही बात है उसके जीवन में भी जनरल बात है। एक्स्ट्रा आर्डिनरी बात थोड़े ही है। वो आत्मा भी जब शरीर छोड़ती है तो चार महीने पहले से निर्जीव पिण्ड तैयार होता है माँ के पेट में और जब चार महीने का पाँच महीने का हो जाता है तो आत्मा शरीर छोड़ के प्रवेश कर जाती है। उधर शरीर छोड़ा उधर एक सेकेण्ड में प्रवेश। फिर चार-पाँच महीने और पेट में वो चैतन्य आत्मा पकती है परिपक्व होने के बाद जन्म हो जाता है।

Time: 34.07-35.21

**Student:** Sevakram, after leaving his body, after how long is he reborn?

**Baba:** In a second.

Student: Not that. I don't mean that. Sevakram leaves his body; after leaving his

body does it take one year or two-three years to take another body?

**Baba:** It takes four months for the birth to take place.

**Student:** Did it happen the same?

Baba: Yes, when any soul leaves its body...

**Student:** That is a general topic...

**Baba:** It is a *general* topic. There is a *general* topic in his life as well. It is not anything *extraordinary*. Even when that soul leaves its body, the inert foetus becomes ready four months earlier in the mother's womb. And when it grows four or five months old, then the soul leaves its [old] body and enters [the foetus]. It leaves the body there and enters [the foetus] in a second. Then that living soul incubates in the womb for another four-five months; after it becomes matured, it is born.

समय: 35.23-35.44

जिज्ञास्:- बाबा, माई-बाप माना क्या? केवल माता या दोनों माता-पिता?

बाबा:- माई बाप माने बाप, बाप है माँ, माँ है। साथ ही साथ बोला गया माने माई बाप माने बाप दादा दोनों हैं। एक ही शरीर में।

Time: 35.23-35.44

Student: Baba, what is meant by maai-baap? Does it refer to just the mother or both

the mother and the father?

Baba: Maai-baap means, baap is the father and maa is the mother. It was said

together. So, maai baap means both Baap and dada are in the same body.

समय: 35.49-37.21

जिज्ञास्:- बाबा परमधाम में सब आत्मायें चारों ओर घूमते रहेंगे...

बाबा:- घूमते रहेंगे ?

जिज्ञास:- या उल्टा वृक्ष की तरह एक जगह में ही टिकेंगे?

बाबा:- नहीं। परमधाम कोई ऐसे थोड़े ही कि इस डायरेक्शन में ही है या इस डायरेक्शन में है या इस डायरेक्शन में है या इस डायरेक्शन में है या नीचे है। (किसी ने कहा- चारो ओर।) हाँ, माना जो आत्मा जितनी ज्यादा बुद्धि में तीव्र होगी वो उतना ही पृथ्वी के वायब्रेशन से दूर हो जायेगी। जितना बुद्धि में मंद होगी उतना पृथ्वी के वायब्रेशन के नजदीक होगी।

जिज्ञासः- लेकिन वहाँ घूमते नहीं रहेंगे।

बाबा:- घूमते रहने की क्या बात है? नजदीक और दूर रहने की बात है।

Time: 35.49-37.21

Student: Baba, will all the souls be moving around in the Supreme Abode or...

**Baba:** Moving around?

**Student:** Or will they remain static at one place in the form of an upside down tree?

**Baba:** No, the Supreme Abode is not something like it is only in this direction or in this direction or below. (Student: It is everywhere.) Yes, the sharper the intellect a soul has the farther it will be from the vibrations of the Earth.

The duller the intellect it has, the closer it will be to the Earth's vibrations.

**Student:** But they will not be moving around there.

**Baba:** It is not something about moving around. It is about being close and far away.

## जिज्ञासु:- उसी जगह टिकेगी।

बाबा:- हाँ जी। आत्मा कोई ऐसी चीज थोड़े ही है जो पकड़ में आ जाये कि एक जगह टिक जायेगी। आत्मा जब सम्पन्न बनती है तो कभी-2 याद में ऐसे भी बैठे अनुभव होता है कि हमें चारों तरफ के वायब्रेशन का पता चलता है। इधर का भी पता चलता है ये हरकत क्या कर रहा है उधर का भी पता चलता है कि क्या हरकत कर रहा है। तो आत्मा में सर्वज्ञता आती जाती है। चारों तरफ की चैतन्य स्थिति रहती है। कभी डल हो जाती है आत्मा। अपने ही स्वरुप में टिकना मुश्किल हो जाता है।

**Student:** They will remain stable at the same place.

**Baba:** Yes. The soul is not a thing that can be caught so that it will remain stable at one place. When the soul becomes complete, then sometimes we also feel during remembrance that we come to know about the vibrations around us. We come to know about this place, what this person is doing and we come to know about that place also, what that person is doing. So, the soul goes on attaining knowledge about everything. It remains attentive in all the directions. Sometimes the soul becomes *dull*. It becomes difficult for it to be stable in its form.

समय: 37.32-39.08

जिज्ञास:- बाबा, ये बताया है जितना स्थापना उतना विनाश।

बाबा:- जितना-2 तीव्रता से स्थापना होती जायेगी उतना-2 विनाश होता जायेगा। आठ की स्थापना होगी पहले-पहले। पहला-2 परिवार की इकाई स्थापना हुई तो विनाश भी ज़रूर होगा। उतना ही विनाश होगा स्थूल रूप से दुनिया में।

जिज्ञासु:- और स्थापना सम्पन्नता 2036 में पती है?

बाबा:- पूरी स्थापना हो जावेगी। 4.5 लाख जो है और उन 4.5 में प्रवेश करने वाली आत्मायें सब सम्पन्न स्टेज को प्राप्त हो जावेंगी 9 लाख।

Time: 37.32-39.08

**Student:** Baba, it has been said that the destruction will take place to the extent the establishment takes place.

**Baba:** The faster the establishment takes place, the faster the destruction will take place. The establishment of eight will take place first. When the establishment of the first family unit takes place then the destruction will also take place. Destruction will take place to the same extent in a physical form in the world.

**Student:** Does establishment complete in 2036?

**Baba:** Complete establishment will take palce. All 9 lakh (900 thousand) souls, i.e. 4.5 lakh (450 thousand) [who give birth] and 4.5 lakh (450 thousand) souls who enter them attain the perfect *stage*.

जिज्ञासु:- तो ये जो बम्ब तैयार ह्आ पड़ा है बाबा वो भी सम्पन्नता को 2036 तक...

बाबा:- ...प्राप्त करते रहेंगे।

जिज्ञासु:- और अविष्कार होते ही जाते हैं।

बाबा:- अविष्कार होते ही जा रहे हैं। तीव्रता बढ़ती ही जा रही है।

जिज्ञासु:- वैसे ये सारे साइन्स का सब्जेक्ट में होता है। मेडिसिन ...

बाबा:- मेडिसिन में भी आगे बढ़ रहे हैं। तीव्रता से ऐसी-2 दवाईयाँ निकाल रहे हैं एक ही दवाई से सारी बिमारियां ठीक हो जाए। अभी तो टाईम लगता है। एक ऐसा भी टाईम होगा कि कोई भी दवाई दी और त्रन्त ठीक।

Student: Baba, so, till 2036 these bombs which have been prepared...

Baba: ... will also continue to be perfect.

**Student:** Further inventions continue to take place.

**Baba:** Inventions continue to take place. Their speed is increasing.

**Student:** The same thing happens in case of all the subjects of science. Medicine... **Baba:** They are progressing in medicine too. They are fast inventing such medicines that cure all diseases. Now it takes *time*. Such a time will also come when you give one medicine and the person will be cured immediately. ... (to be continued.)

#### Part-4

समय: 39.12-40.03

जिज्ञासु:- बाबा, संवत एक-एक-एक, 2018 से शुरु होता है और 36 तक वो खतम होता है। सिर्फ 18 वर्ष का वो पिरियड है क्या?

बाबा:- खत्म होने का पता थोड़े ही चलेगा।

जिजासु:- बाद में वो डेटस् ही नहीं रहेंगे न।

बाबा:- डेट वहाँ होती है, तवारीख वहां तैयार की जाती है, दिन वहाँ गिने जाते हैं जहाँ दुख होता है। जहाँ दुख ही नहीं है वहाँ कोई डेट क्यों गिनेगा, दिन क्यों गिनेगा?

जिज्ञासु:- केवल 18 साल बह्त दु:ख का दिन है।

बाबा:- बह्त दु:ख, 2500 साल के बराबर हो जायेगा।

जिज्ञास्:- और फिर द्वापर से श्रु होते हैं डेटस।

बाबा:- हाँ जी। जब दुनिया में दुःख शुरु होता है तब दिन गिनना शुरु कर कर देते हैं।

Time: 39.12-40.03

**Student:** Baba, Era 1.1.1 starts from 2018 and ends in 36. Is it just for a period of 18 years?

Baba: You will not come to know about its ending.

**Student:** No, later there will not be any date at all, will there?

**Baba:** Dates exist, records are maintained and days are counted where there is sorrow; why will someone count the dates and days where there is no sorrow?

**Student:** So, there are days of extreme sorrow for 18 years.

**Baba:** There is extreme sorrow. It will be equal to [the sorrow in] 2500 years.

**Student:** And then the dates start from the Copper Age.

**Baba:** Yes. When sorrow starts in the world, then counting of days begins.

समय: 40.05-42.53

जिज्ञासु:- बाबा, मनुष्य के स्मृति में कैसे आ गया कि कलयुग शुरु ह्आ?

बाबा:- मनुष्य के बुद्धि में आता ही नहीं। मनुष्य कहाँ जानते थे कि कब कलयुग शुरु हुआ, कब द्वापर शुरु हुआ। (किसीने कहा - शास्त्रों में...) शास्त्रों में तो हजारों साल का कल्प लिख दिया है।

Time: 40.05-42.53

**Student:** Baba, how did it come in the intellect of the human beings that the Iron Age has started?

**Baba:** It does not come in the intellect of the human beings at all. The human beings did not know when the Iron Age began or when the Copper Age began. (Someone

said: In the scriptures...) In the scriptures, the age of a cycle (kalpa) has been mentioned to be of thousands of years.

जिज्ञासु:- पर वो कैसे जाना कि अब कलयुग शुरु ह्आ है?

बाबा:- किसी ने नहीं जाना। ये तो बाबा ने आकर बताया 1250 वर्ष का कितयुग। शास्त्रों में भी लिखा हुआ है लेकिन शास्त्रों में शास्त्रकारों ने लफड़ा कर दिया है। देवताओं के वर्ष का गुणा कर दिया 365 का। हजारों, लाखों वर्ष हो गया।

जिज्ञासु:- पर सभी ज्योतिषि, पूर्वज सभी बताते हैं हम कलियुग में हैं, कलियुग में हैं। बाबा:- वो तो अभी 1200 वर्ष से ज्यादा दुःख आने लगा न, तब से अनुभव करने लगे कि कलियुग है। कलियुग में ज्यादा पाप होते हैं, ज्यादा दुःख होता है।

जिज्ञासु:- पर जब ये चेन्ज हुआ तो उनको पता नहीं पड़ा?

बाबा:- उनको पता नहीं है। दुनिया में किसी को पता नहीं कि चार युगों का डिविजन क्या है। ये तो बाबा आकरके बताते हैं।

जिज्ञासु:- पता नहीं मतलब जब द्वापर खत्म होकर ये कलय्ग श्रु हुआ...

बाबा:- तो किसी को पता नहीं।

जिज्ञास्:- किसी को पता नहीं था?

**Student:** How did they come to know that now the Iron Age has started?

**Baba:** Nobody came to know it. It is Baba who came and said that the Iron Age is 1250 years old. It has been written in the scriptures also, but the writers of the scriptures have created confusion in the scriptures by multiplying the years of the deities with 365. It became thousands and lakhs of years.

Student: But all the astrologers, our ancestors say that now they are in the Iron Age.

**Baba:** People have started experiencing more sorrow for 1200 years. It is since then that they started feeling that it is the Iron Age; there are more sins, more sorrow in the Iron Age.

**Student:** But don't they know when it changed [from Copper Age to Iron Age]?

**Baba:** They do not know; nobody in the world knows what the *division* of the four ages is; Baba comes and tells [us] this.

**Student:** Nobody knows, means that when the Copper Age ended and the Iron Age started...

**Baba:** ... then nobody came to know.

**Student:** Nobody knew?

बाबा:- नहीं, जब ज्यादा दुख पड़ता है तो पुतले जलाये जाते हैं माना ये हिस्ट्री अगर निकाली जाये रावण कब से जलाना शुरु हुआ, तो उसकी हिस्ट्री निकलेगी कि हाँ रावण को जलाने का शुरुवात जो है वो कलियुग के शुरुआत में हुई।

जिज्ञासु:- जब औरंगजेब आया तब से दुख ह्आ।

बाबा:- औरंगजेब अभी 500 साल के अन्दर हुआ है।

जब मोहम्मद गोरी ने आक्रमण किया, मोहम्मद बिन कासीम ने जब से आक्रमण किया लूट-लपोट करना शुरु किया तब से लोग ज्यादा दुखी ह्ये हैं।

जिज्ञासु:- वैसे ही जब द्वापर शुरु होता है किसी को भी पता नहीं चलता है द्वापर में हैं हम?

बाबा:- द्वैतवाद होता है शुरु तो द्वैतवाद में किसीको क्या पता चलेगा? कोई कुछ कहेगा, कोई कुछ कहेगा।

जिज्ञास्:- तो सतय्ग में तो पता होता है हम सतय्ग में हैं?

बाबा:- न सतयुग में यें पता होता है कि हम नीचे गिरने वाले हैं। बस सुख ही सुख है सुख ही सुख ही सुख ही सुख ही पता चलता है कि हम नीचे गिर रहे हैं। सारी खुशी ही उड़ जाए।

**Baba:** No, when the sorrow increase a lot, then effigies are burnt; it means that if you take out the *history* about since when did people start to burn Ravan, then the *history* will come out that yes, the burning of Ravan began from the beginning of the Iron Age.

**Student:** Sorrow started from the time Aurangzeb arrived.

**Baba:** Aurangzed existed in the last 500 years. When Mohammad Gori attacked, ever since Mohammed Bin Quasim attacked and started to plunder [India], people have become more sorrowful.

**Student:** Similarly, when the Copper Age begins then nobody knows that they are in the Copper Age.

**Baba:** When dualism begins, then what will someone come to know in dualism? Someone will say something and someone else will say something else.

**Student:** So, do people know in the Golden Age that they are in the Golden Age?

**Baba:** They don't know in the Golden Age that they are going to fall either. [They think:] There is just happiness and there will be just happiness. Even when they leave their body, they do not know that they are falling. [If they come to know this] the entire joy will vanish.

समय: 43.00-46.14

जिज्ञासु:- बाबा, ये पढ़ाई का एम ऑब्जेक्ट सारी दुनिया को पढ़ाना है या सिर्फ कृष्ण बच्चे को पढ़ाना है?

बाबा:- एक की पढ़ाई पूरी हुई तो सब की पढ़ाई पूरी हो जायेगी। एक के पतित बनने से सब पतित हो जाते हैं, एक के पावन बनने से सब पावन हो जाते हैं।

Time: 43.00-46.14

**Student:** Baba, is the aim and objective of this knowledge to teach the entire world or is it to teach just child Krishna?

**Baba:** When the study of one is over then everybody's study will be over. When one becomes sinful, all become sinful. When one becomes pure, all become pure.

जिज्ञासु:- और बाबा कहते हैं सभी को बच्चे-बच्चे पर सिर्फ कृष्ण बच्चे को ही प्यार करता है।

बाबा:- ऐसी क्या बात है? कृष्ण बच्चे को ज्यादा प्यार करता है?

जिज्ञास्:- सिर्फ उसी को ही जन्म देता है।

बाबा:- उसी को जन्म देता है? जन्म कौन देता है शिवबाबा देता है क्या?

जिज्ञास्:- नहीं साकार देता है।

बाबा:- तो फिर? साकार में और निराकार में तो बहुत फर्क है। साकार हद में बंधा हुआ है और निराकार? वो तो सदैव बेहद का है। हद का हद का ही बच्चा पैदा करेगा न।

**Student:** Baba calls everyone children, but He loves only the child Krishna.

**Baba:** Why is it so that [you think] He love only child Krishna more?

**Student:** He gives birth only to him.

Baba: He gives birth only to him? Who gives birth [to him]? Does Shivbaba give

birth [to him]?

**Student:** No. The corporeal one gives birth.

**Baba:** So, then? There is a lot of difference between the corporeal one and the incorporeal One. The corporeal one is bound in limits and the incorporeal One is always unlimited. The limited one will give birth only to a limited child, won't he?

जिज्ञास्:- तो उनका बच्चा बनने का हकदार कौन बनते हैं बाबा?

बाबा:- किनका?

जिज्ञासु:- साकार राम के 63 जन्म होते हैं न बाबा। उन जन्मों में उसका बच्चा...

बाबा:- राम-कृष्ण की आत्मायें तो बच्चा और बाप बनती ही रहती है ना।

जिज्ञासु:- दूसरे कोई नहीं बनते?

बाबा:- नहीं। और भी बनते हैं नम्बरवार। जो पढ़ाई पढ़े। पढ़ाई पढ़करके जो नजदीक आ जाये।

जिज्ञास्:- उसका भी शूटिंग अभी हाती है?

बाबा:- बिल्कुल अभी शूटिंग हो रही है। जो बात को माने बच्चा वो जो बाप का फरमान बरदार हो, ईमानदार हो, वफादार हो, आज्ञाकारी हो। बाप की बात ही नहीं मानता, तो बच्चा काहे का। ये तो मोह हो गया।

जिज्ञासु:- तो अभी जो फरमानदार होते हैं, ईमानदार होते हैं वो ही उनका बच्चा बनते हैं?

बाबा:- हाँ, अभी शूटिंग हो रही है।

**Student:** So, who becomes entitled to become his child, Baba?

Baba: Whose?

**Student:** Corporeal Ram has 63 births, hasn't he, Baba? [Who becomes] his child in

all those births?

**Baba:** The souls of Ram and Krishna keep becoming child and father, don't they?

**Student:** Don't others become [his children]?

**Baba:** No, others also become that before or after [according to their *purushaarth*]. Whoever studies the knowledge, whoever studies and comes close [to him to whatever extent will become his child].

**Student:** Does its shooting also take place now?

**Baba:** Definitely its *shooting* is taking place now. The one who obeys the words [of the Father], the one who is complaint to the Father, the one who is honest, loyal, obedient is a child. How can the one who does not obey the Father's words at all be His child? This is attachment.

**Student:** So, those who are obedient, honest children now only they become his children?

**Baba:** Yes, the *shooting* is taking place now.

जिज्ञास:- वो ही उनका लौकिक द्निया में 63 जनमों में बच्चे बनेंगे?

बाबा:- बच्चे बनेंगे।

जिज्ञास:- तो राम बाप का सभी बच्चे ऐसे ही होते हैं? ईमानदार ...?

बाबा:- सभी के बच्चे, सभी ऐसे ही होते हैं। बच्चा वो जो बाप की बात माने। रचना वो जो रचयिता के कन्ट्रोल में हो। कन्ट्रोल में है नहीं, मेरा बच्चा, मेरा बच्चा, मेरा बच्चा। ये तो अज्ञान हो गया। मोह हो गया।

जिज्ञासु:- तो हमारा बाप किस आधार पर मिलता है बाबा? हमारा माँ-बाप किस आधार पर हमको मिलते हैं?

बाबा:- आज्ञाकारी, वफादार, फरमानवरदार, इमानदार इनके आधार पर।

जिज्ञासु:- वो तो राम बाप की बात है।

बाबा:- सभी का है। सभी के लिये वही नियम है। लव जाता है।

दूसरा जिज्ञास्:- ये भी हिसाब किताब है न बाबा?

बाबा:- हिसाब किताब बनाता कौन है? बनाते तो हमी हैं खुद।

**Student:** Will only they become his children in the 63 births in the *lokik* world?

**Baba:** They will become his children.

**Student:** So, are all the children of father Ram just like this? Honest...?

**Baba:** Children of everyone; all are just like this. The one who obeys the father is a child. The one who remains under the *control* of the creator is the creation. If he (the creation) is not under *control*, [and still someone says:] My child, my child, my child. [Then] this is ignorance. It is attachment.

**Student:** So, on what basis do we get our father, Baba? On what basis do we get our parents?

**Baba:** On the basis of being obedient, loyal, complaint and honest.

**Student:** It is about the father Ram...

**Baba:** It is for everyone. The rule is the same for everyone. [They are born] wherever their *love* goes.

**Another student:** This is a karmic account, too, isn't it, Baba? **Baba:** Who creates the karmic accounts? We ourselves create it.

समय: 46.16-49.28

जिज्ञासु:- बाबा, ये प्रश्न पूछना और आप उत्तर देना कब तक चलता रहेगा? 18 तक या 36 तक?

बाबा:- जब तक आत्मा में इतनी पावर नहीं आती है, जो परम आत्मा है परम पार्टधारी है जब तक उसमें इतनी पावर नहीं आती है कि दृष्टि से देखने मात्र से ही शांत कर दे। जिज्ञास:- आप अलग-अलग आत्मा को बता रहे हैं ...?

बाबा:- सभी की बात।

जिज्ञास्:- एक आत्मा में ऐसी पावर होनी चाहिए...?

बाबा:- एक आत्मा हीरो पार्टधारी ऐसी तैयार हो जाये कि जैसे किसी को देखा.... देखे भी नहीं, सिर्फ वायब्रेशन मात्र से ही दूर से बैठे-बैठे उसको शांत कर दे। आजकल तो कम्प्यूटर चल पड़ा है। विलायत में बैठ करके वायब्रेशन फेंकता रहे कम्प्यूटर के द्वारा, इन्टरनेट से चारों तरफ अपनी विरोधी भावनायें फैलाता रहेगा। तो उनको चाहे तो दूर बैठे भी शांत कर दे। ऐसी पावर आ जाये आत्मा में।

Time: 46.16-49.28

**Student:** Baba, how long will this asking of questions [by the students] and giving answers by you continue? Till 18 or till 36?

**Baba:** As long as the soul does not get this much *power*; until the supreme soul, the one who plays the supreme part does not attain the power to such extent that he calms down someone just by seeing him.

**Student:** Are you talking about other souls...?

**Baba:** It is about everyone.

**Student:** Should one soul have such power ...?

**Baba:** One soul, the *hero* actor should become such that whoever he sees... not even seeing, he should calm down someone sitting far away just through vibrations; nowadays the *computer* has started. Someone may keep spreading vibrations through *computer* sitting in a foreign country; someone may keep spreading opposite feelings through the internet everywhere; so he (the supreme actor) should be able to calm them down sitting far away. The soul should attain such power.

जिजासु:- तब तक पूछताछ होता रहेगा?

बाबा:- तब तक चलता रहेगा। कान्सन्ट्रेशन से ही पावर आयेगी।

जिज्ञास्:- ये सब 2018 के अन्दर ही खत्म होगा?

बाबा:- खत्म नहीं होता है, वो तो एक आत्मा की बात हुई। फिर नम्बरवार ढ़ेर सारी आत्मायें तैयार होंगी।

**Student:** Will the questioning and answering continue till then?

**Baba:** It will continue till then. The *power* will come only through *concentration*.

**Student:** Does all this finish within 2018?

**Baba:** It does not end; it is about one soul. Then numberwise (one after the other), numerous souls will get ready.

**जिज्ञास्:**- तो 18 से 36 तक ?

बाबा:- 36 तक ये काम चलता ही रहेगा। पारसनाथ का जो गायन है। पार्श्व, पार्श्व माने नजदीक। जो भी नज़दीक आये वो ही चेन्ज हो जाये। बोलने की दरकार ही नहीं। वाचा से तो चेन्ज होते भी नहीं उतने। वाचा तो स्थूल है। वाचा से ज्यादा श्रेष्ठ तो, ज्यादा शिक्तशाली दृष्टि है। दृष्टि से भी ज्यादा पावरफुल वृत्ति है। वायब्रेशन। दुनिया में चारों तरफ घनघोर विनाश हो रहा होगा उस समय न वाचा काम आयेगी न दृष्टि काम आयेगी। कैसे परिवर्तन होगा? वायब्रेशन से। इतना तीव्र वायब्रेशन फैलाया जायेगा चारों तरफ दुनिया में, जिसको बचना होगा वो बचेगा, ठहरना होगा वो ठहरेगा। जैसे उन्होंने शिक्तिमान सिरियल बनाया है। देखा? नहीं देखा? शिक्तिमान सीरियल बनाया है। जहाँ-जहाँ पहँचता है वहाँ-वहाँ शांति हो जाती है।

**Student:** So, from 18 to 36...

**Baba:** This task will continue till 36. Paarasnath is praised. *Paarshva* means close. Whoever comes close [to him] should be transformed. There [shouldn't be the] need to speak at all. Also, [people] don't *change* through words to that extent. Words are physical. *Drishti* is more elevated, more powerful than words. Vibrations are more *powerful* than vision (*drishti*). When there is fierce destruction everywhere in the world, at that time neither words will be of any use nor will vision be of any use. How will the transformation take place? Through vibrations. Such strong vibrations will be spread everywhere in the world that the one who is to be saved will be saved and the one who has to stay will stay. For example they have prepared the *serial Shaktimaan*. Did you see it? Did you not see it? The *serial Shaktiman* has been made; peace is established wherever he goes.

समय: 49.42-50.36

**जिज्ञासु:-** बाबा, अकाल कब पड़ेगा?

बाबा:- जब ज्यादा पाप बढ़ेगा, अति होगी पापों की।

जिज्ञास्:- वो तो 18 के बाद ही होगा।

बाबा:- तब तक विनाश शुरु हो जायेगा, अकाल घोषित हो जायेगा तब तक।

Time: 46.42-50.36

**Student:** Baba, when will the drought start?

**Baba:** When the sins increase more, when the sins reach the extreme level.

**Student:** That will be only after 18.

**Baba:** Destruction will start by then; drought will be declared by then.

जिज्ञासु:- तब तक ये बारिश ये सभी ...?

बाबा:- ये तो दुनिया में हमेशा बढ़ते ही चले आये हैं। अतिवृष्टि होना, अनावृष्टि होना, ये तो चलता ही चला आया, ये क्या बड़ी बात। आज इस देश में हो गया, कल उस देश में

हो गया, परसों उस देश में हो गया। सैकड़ों देश हैं। क्या फर्क पड़ता है? चारों तरफ घनघोर होने लगे।

जिज्ञासु:- द्वापर में भी अतिवृष्टि, अनावृष्टि होता रहता है क्या?

बाबा:- श्रुआत हो जाती है। वहाँ तो प्रकृति फिर भी सात्विक स्टेज में रहती है।

Student: Till then the rains, all this....

**Baba:** All these [calamities] have always been increasing in the world. Too much rain, too less rain; this has always been happening. What is the big issue? Today it happens in this country; tomorrow it happens in that country; the day after tomorrow, it happens in another country. There are hundreds of countries; what difference does it make? [At the time of destruction] there will be heavy [rainfall] everywhere.

**Student:** Does too much rainfall and less rainfall take place in the Copper Age as well?

**Baba:** It begins. There, the nature is still in a pure *stage*.

समय: 50.40-51.07

जिज्ञासु:- बाबा, एक माता जी ने पूछा। आत्मा की रोशनी आँखों से निकलती है। ऐसे देख सकते हैं।

बाबा:- दृष्टि की तीव्रता का पता चलता है।

जिज्ञास्:- लेकिन जो अन्धे होते हैं न उसका कैसे?

बाबा:- उनका वायब्रेशन से पता चलता है। उनका वायब्रेशन तीखा होता है।

Time: 50.40-51.07

Student: Baba, a mother has asked a question: The soul's light comes out through the

eyes. You can see it in that way.

**Baba:** The intensity of the vision can be known. **Student:** But what about those who are blind?

Baba: It can be known through their vibrations. Their vibrations are strong.

समय: 51.10-51.29

बाबा:- पाटिल कहाँ गया?

जिज्ञासु:- पाटिल भाई का कोई जायदाद का रजिस्ट्रेशन आज ...

बाबा:- होने वाला है?

जिज्ञास:- होने वाला है इसलिये गाँव गये। उसको पता नहीं था।

Time: 51.10-51.29

**Baba:** Where did Patil go?

**Student:** Patil bhai has gone for a registration work today...

**Baba:** Is it going to take place?

**Student:** It is going to take place. That is why he went to the village. He didn't know.

समय: 51.34-53.04

जिज्ञास्:- बाबा, याद करने के टाईम में बीच में झुटका आता है।

बाबा:- ज्यादा पाप चढ गया।

जिज्ञास्:- फिर याद करते हैं।

बाबा:- हाँ, कोई प्ण्य उदय हो जाता है सो जगा देता है।

जिज्ञासु:- पहली याद एड होती है?

बाबा:- और क्या? ऐड क्यों नहीं होगी? पूरा ही सो जाये पाँव फैला के तो कट हो जायेगा।

जिज्ञास्:- पूरा नहीं बाबा

बाबा:- तब तक बैठे-बैठे हिम्मत कर रहे हैं न, याद करने की। हिम्मते बच्चे मददे बाप।

Time: 51.34-53.04

**Student:** Baba, we dose off at the time of remembrance.

**Baba:** The sins (*paap*) have increased more. ©

Student: We remember again.

**Baba:** Yes, when a merit (*punya*) comes up, then it wakes you up.

**Student:** Does the remembrance made earlier add up to it?

Baba: Why not? Why will it not be added up? If someone sleeps completely

streaching out his legs, then it will be *cut* off.

Student: Not completely, Baba.

**Baba:** Until then you are showing the courage to remember while sitting, aren't you? If the children show courage, the Father will help.

जिज्ञासु:- तो पहले की याद, बाद में की हुई याद में ऐड होता है ?

बाबा:- एड तब तक होता रहेगा जब तक पुरुषार्थ करते रहेंगे। लम्बी तान के सो गये, कट हो जायेगा। इसलिये अमृतवेला अच्छा हो। ऐसे नहीं कि सारा अमृतवेला कर लिया और आखिर मे आके सो गये।

जिज्ञासु:- ऐसे नहीं बाबा, करते करते पाँच मिनट ऐसा झुटका आ जाता है ना।

बाबा:- तो बैठे रहते है न तो तब तक पुरुषार्थ हुआ न। हिम्मत तो कर रहे हैं बैठे रहने की।

जिज्ञासु:- बैठते हैं झुटका आ जाता है।

बाबा:- पाप कर्म बढ़ रहे हैं न। सौ ग्ना पाप कर्म बढ़ रहा है।

**Student:** So, does the remembrance made earlier add up to the remembrance made later?

**Baba:** It will go on adding up until you keep making *purushaarth* (the spiritual effort). If you sleep with your legs stretched out, then it will be *cut* off. This is why the *amritvelaa* (remembrance at early morning hours) should be good. It shouldn't be that you complete the *amritvelaa* and then go to sleep in the end.

Student: Not like that, Baba. We doze off for five minutes while remembering.

**Baba:** So, you continue to sit, don't you? Until then you made *purushaarth*, didn't you? You are at least showing courage to sit.

**Student:** We sit [but] we feel sleepy.

**Baba:** The sins are increasing, aren't they? The sins are increasing hundred fold. ... (to be continued.)

#### Part-5

समय: 53.12-54.16

जिज्ञासु:- बाबा, जमुना के कण्ठे पर स्वर्ग स्थापन होगा। बेहद में यहाँ चैतन्य जमुना का क्या पार्ट होगा स्वर्ग की स्थापना में?

बाबा:- एडवांस के आदि में जमुना... कण्ठा माना किनारा । जमुना थी या नहीं थी? या दूर थी? नजदीक थी। माना फाउंडेशन पड़ा। अभी दूर है नजदीक है? दूर है, तो कण्ठा नहीं है। फिर नजदीक होगी।

जिज्ञासु:- तो उसका ही नाम पड़ता है? वो आगे है?

बाबा:- स्थूल में भी ऐसे ही है। पहले दिल्ली में जब स्थापना हुई तो जमुना स्थूल भी नजदीक थी और स्थूल जमुना के कण्ठे पर सीलमपुर से शुरुआत हुई, शाहदरा से। तो जम्ना का कण्ठा था ना। अभी? अभी तो पूर्व की बात पश्चिम में चली गई।

Time: 53.12-54.16

**Student:** Baba, heaven will be established on the banks of river Yamuna. What part will the living Yamuna play here in the establishment of heaven in the unlimited?

**Baba:** In the beginning of the advance [party], Yamuna... *kanthaa* means bank. Was there Yamuna or not? Or was she far away? She was close. It means that the *foundation* was laid. Is she far or close now? She is far so it is not the bank. Again she will come close.

**Student:** So, her name is given? She is ahead.

**Baba:** It is the same in a physical sense as well. Initially, when the establishment took place in Delhi, the physical Yamuna was also close and the beginning took place on the banks of the physical Yamuna from Seelampur, Shahadara. So, there was the bank of Yamuna, wasn't there? Now the topic of the east has shifted to the west.

समय: 54.24-55.35

जिज्ञासु:- एडवांस के लोग अगर शरीर छोड़ते हैं तो क्या वो दूसरा शरीर लेते हैं क्या अभी ?

बाबा:- एडवांस वाले भी दो तरह से शरीर छोड़ते हैं। एक तो अकाले मौत में भी शरीर छोड़ रहे हैं और एक नेचुरल मृत्यु भी होती है।

जिज्ञासु:- नेचुरल मृत्यु हुई तो क्या वो दूसरा शरीर लेता है या...?

बाबा:- त्रन्त, त्रन्त शरीर लेता है। अकाले मौत होगी ...

Time: 54.24-55.35

**Student:** When someone leaves his body in the advance [party], does he get another body now?

**Baba:** People in the advance [party] too leave their body in two ways; on the one hand they are leaving body through untimely death and natural death also takes place. **Student:** If someone dies a natural death, then does he take on another body or...? **Baba:** Immediately, he takes on a body immediately. If it is an untimely death...

जिज्ञासु:- नेचुरल डेथ हुआ तो दूसरी शरीर लेने का कब तक ये चलता रहता है 18 तक या 36 तक?

बाबा:- चलता ही रहेगा।

जिज्ञासु:- 18 के बाद भी शरीर छोड़ने के बाद वो दूसरा शरीर लेता है?

बाबा:- बाद में पैदा होंगे वो चमत्कारी बच्चे पैदा होंगे। एक साल के उमर में ही बहुत कुछ करके दिखायेगें। जैसे आज कल दो-दो, तीन-तीन, चार-चार साल के बच्चे कम्प्यूटर में बैठ करके चमत्कार दिखा रहे हैं।

जिज्ञासु:- ऐसा ही होता है।

बाबा:- हाँ।

**Student:** How long will souls continue to take on another body in case of natural death? Till 18 or till 36?

Baba: It will keep continuing.

**Student:** Does someone get another body even if he leaves his body after 18?

**Baba:** Those who are born after that will be miraculous children. They will do many things just at the age of one year. For example, nowadays, two, three, four years old children work on the computers and show miracles.

**Student:** It happens just like that.

Baba: Yes.

समय: 55.41-56.43

जिज्ञासु:- बाबा, जब अन्त में महाविनाश होगा तो ग्रेनाईट पत्थर से बना सबसे मजबूत पहाड़ माउन्ट आबू भी पिघल जाता है एटामिक विस्फोट से।

बाबा:- हाँ।

जिज्ञासु:- पर एक ऐसा अजूबा, स्वर्ग का निर्माण जो बाबा जमुना के कण्ठे पर दिल्ली में करेंगे वो कैसे...?

बाबा:- वहाँ पाँच तत्वों का असर नहीं होगा वायब्रेशन के आधार पर। ऐसी आत्माओं का संगठन तैयार होगा जैसे की पाँच उगंलियों की मुट्ठी बंध जाती है। (किसी ने कहा - पाँच पाण्डव।) हाँ, तो संगठन मजबूत हो जाता है। ऐसा पाण्डवों का पावरफुल संगठन बनेगा, किला बनेगा, कि एक भी विकारी उसमें प्रवेश कर न सकें।

जिज्ञासु:- तो एटामिक विस्फोट का भी कोई असर उनको नहीं लगेगा?

बाबा:- जब वायब्रेशन ही कन्ट्रोल कर लिया तो प्रकृति सहयोगी बनेगी वहाँ या विरोधी बनेगी?

Time: 55.41-56.43

**Student:** Baba, when the great destruction takes place in the end, then the strongest granite mountain of Mount Abu also melts due to the atomic explosions.

Baba: Yes.

**Student:** But the wonder of heaven, which Baba will create on the banks of Yamuna in Delhi, how will that...?

**Baba:** There will not be an effect of the five elements there on the basis of vibrations. A gathering of souls will get ready just as the five fingers of the hand are folded and a fist is formed. (Someone said: The five Pandavas.) Yes, so the gathering becomes strong. Such a *powerful* gathering, fort of the Pandavas will get ready that not even a single vicious person will be able to enter it.

**Student:** So, will it not be affected by the atomic explosions?

**Baba:** When they *control* the very vibrations then will nature become a helper or an opponent there?

समय: 56.50-57.31

जिज्ञास:- बाबा, ये एडवांस वालों में भी सूक्ष्म शरीर रहेगा क्या?

बाबा:- अभी क्या अचानक मौत नहीं हो रही है एडवांस वालों की? एडवांस वालों में दूसरे धर्म की आत्मायें नहीं हैं? अरे! एडवांस वालों में दूसरे धर्म के छिलके वाले बीज नहीं हैं? (जिज्ञास्-हैं।) तो फिर वो उस तरह का पार्ट बजायेंगे या नहीं बजायेंगे?

जिज्ञास्:- वो भी शरीर में प्रवेश करके पार्ट बजायेंगे क्या?

बाबा:- बजाते हैं। बजाते हैं, बजा रहे हैं।

Time: 56.50-57.31

**Student:** Baba, will those who follow the advance [knowledge] also get a subtle body?

**Baba:** Aren't those who follow the advance [knowledge] now meeting untimely deaths? Aren't there souls belonging to other religions among those who follow the advance [knowledge]? *Arey!* Aren't there the seeds with the husk of other religions among those who follow the advance [knowledge]? (Student: There are.) So, will they play that kind of a *part* or not?

**Student:** Will they also play a part by entering? **Baba:** They play. They play, they are playing.

समय: 57.31-58.49

जिज्ञास:- बाबा, कर्ण कन्या से पैदा होता है बेहद में इसका अर्थ क्या है?

बाबा:- यज्ञ के आदि में ब्रहमा वाली आत्मा ने जन्म लेने की शूटिंग की होगी कि नहीं ब्रहमा के रुप में? अरे! ब्रहमा के रुप में किसी से जन्म लिया होगा या नहीं लिया होगा?

जिज्ञासु:- माता के द्वारा ...।

बाबा:- माता के द्वारा मिला होगा।

जिजास:- लेकिन कन्या तो नहीं होती न वो।

बाबा:- गीता माता कन्या नहीं है?

जिज्ञास्:- यज्ञ के आदि में गीता माता, माता थी न?

बाबा:- अरे, ज्ञान में आने के बाद की बात है ज्ञान में आने के बाद कन्या है माता है?

जिज्ञास्:- कन्या।

Time: 57.31-58.49

Student: Baba, Karna is born from a virgin what is its unlimited meaning?

**Baba:** In the beginning of the *yagya* will the soul of Brahma have performed the *shooting* of being born in the form of Brahma or not? *Arey!* Will he have been born from someone as Brahma or not?

**Student:** He [was born] through a mother, wasn't he? **Baba:** He will have [been born] through a mother.

**Student:** But she was not a virgin. **Baba:** Is Mother Gita not a virgin?

**Student:** Mother Gita was mother in the beginning of the *yagya*, wasn't she?

Baba: Arey, it is about the time after entering the path of knowledge; after entering

the [path of] knowledge is she a virgin or a mother?

**Student:** A virgin.

बाबा:- कन्या है। फर्स्ट क्लास कन्या है। यज्ञ के आदि में शूटिंग हुई होगी कन्या से जन्म लेने की, पवित्र आत्मा से जन्म लेने की तो सतयुग आदि में भी पवित्र से जन्म लेगा कृष्ण या अपवित्र से जन्म लेगा? पवित्र से ही जन्म लेगा। राधा और कृष्ण दोनों का जन्म किससे होगा? शूटिंग पीरीयड में जिससे हुआ होगा सतयुग में भी उसी से होगा।

**Baba:** She is a virgin. She is a *first class* virgin. If the *shooting* of been born through a virgin, through a pure soul will have taken place in the beginning of the *yagya*, then will Krishna be born through a pure one or an impure one in the beginning of the Golden Age also? He will be born just through a pure one. Through whom will both Radha and Krishna be born? They will be born in the Golden Age from the same [parents] through whom they were born in the *shooting* period.

#### समय:58.55-1.08.03

जिज्ञासु:- बाबा, जगदम्बा को लेखराज ब्रहमा ने साक्षात्कार का हिसाब बताया वो कहाँ बताया बाबा? वो कल्कत्ता के दुकान में बताया या सेवक राम के घर में बताया? कहाँ बताया?

बाबा:- ये कोई धन्धे-धोरी के स्थान में थोड़े ही होता है, फैमेली इकड्ठी होती है वहाँ?

जिज्ञास्:- तो कहाँ बाताया बाबा?

बाबा:- ये तो फैमेली की बात है न। तीन आत्मायें जो हैं वो तो फैमेली हैं न। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर।

जिज्ञासु:- तो किसकी घर में बताया?

### बाबा:- किसके घर में बताया? किसी दूसरे के घर में बतायेंगे बैठ के?

Time: 58.55-01.08.03

**Student:** Baba, Brahma Baba narrated about his visions to Jagdamba; where did he narrate it, Baba? Did he narrate it in the shop at Kolkatta or at Sevakram's house? Where did he narrate it?

**Baba:** All this doesn't take place at the place of business. Does the *family* gather there?

**Student:** So, where was it narrated, Baba?

Baba: It is about the family, isn't it? The three souls are a family, aren't they?

Brahma, Vishnu and Shankar.

**Student:** So, at whose home did he narrate it?

Baba: In whose house did he narrate? Will he narrate at the house of anyone else?

जिज्ञासु:- नहीं बाबा, दो मातायें थी, दो अलग मकान थी या एक ही मकान में दो ...? बाबा:- माने ऐसा नहीं हो सकता कि वो दोनों मातायें प्यार से मिल करके बैठकरके बातें करें?

जिज्ञास्:- बैठ के बातें करने की बात अलग है पर...

बाबा:- वायब्रेशन श्रेष्ठ होना चाहिए या वायब्रेशन भ्रष्ट होना चाहिए फाउन्डेशन का?

जिज्ञास्:- श्रेष्ठ होना चाहिए।

बाबा:- तो श्रेष्ठ ही होगा।

जिज्ञासु:- तो एक ही मकान में वो तीनों रहते थे?

बाबा:- जो आदि में विष्णु होगा वो अन्त में विष्णु होगा या नहीं होगा? होगा। तो आदि में कोई आत्मायें थी जो संस्कार आपस में मिलते हों? ब्रह्मा और यशोदा, दादा लेखराज और यशोदा के संस्कार तो आपस में नहीं मिले। यशोदा चली नहीं ज्ञान में ठीक से।

**Student:** No, Baba. There were two mothers. Were there two separate houses or only one house ....

**Baba:** Can't it happen that those two mothers sit together and talk affectionately?

**Student:** The topic of sitting and talking is different, but...

**Baba:** Should the *vibrations* be righteous or should the vibrations be unrighteous at the time of *foundation*?

**Student:** They should be righteous. **Baba:** So, it will be righteous itself.

**Student:** So, did all the three use to stay in the same house?

**Baba:** Will the one who was Vishnu in the beginning be Vishnu in the end or not? He will be. So, there were some souls in the beginning whose *sanskaars* used to match. The *sanskaars* of Brahma and Yashoda, Dada Lekhraj and Yashoda did not match. Yashoda did not follow the knowledge properly.

जिज्ञासु:- पर जब लेखराज ब्रहमा ने साक्षात्कार का बात बताया तब सेवक राम दुकान में था? बाबा:- सेवक राम द्कान में था या घर में था या...

जिज्ञास्:- वो नहीं था उस वक्त।

बाबा:- क्यों नहीं था, तो बतायेगा कौन?

जिज्ञास्:- नहीं बाबा जब लेखराज ब्रहमा साक्षात्कार का बात बताये, माता को बताया...

बाबा:- लेखराज ब्रह्मा, ये देखना है कि किसके नजदीक ज्यादा थे?

जिज्ञास्:- गीता माता।

बाबा:- गीता माता के नजदीक ज्यादा थे? अपनी बड़ी बहन के नजदीक ज्यादा नहीं थे?

जिज्ञासु:- नहीं थे।

बाबा:- अच्छा!

दूसरा जिज्ञासु:- ऐसा ह्आ तो उसको ही बोल सकते हैं ना।

बाबा:- अच्छा! सुनो।

Student: But when Lekhraj Brahma narrated about the visions, was Sevakram at his

shop?

Baba: Whether Sevakram was at the shop or at home...

**Student:** He was no there at that time.

Baba: Why wasn't he there? Then who will tell [the secrects]?

**Student:** No Baba, when Lekhraj Brahma narrated about the visions to the mother...

**Baba:** It should be observed that to whom Lekhraj Brahma was closer.

**Student:** Mother Gita.

**Baba:** Was he closer to Mother Gita? Was he not closer to his elder sister?

**Student:** He wasn't. **Baba:** *Acchaa*!

**Second student:** Had it been so, he should have told her, shouldn't he?

Baba: Acchaa, listen.

जिज्ञासु:- क्या-क्या होगा?

बाबा:- क्या-क्या होगा? यज्ञ के आदि में कोई तो युगल ऐसा होगा। जो आदि में था सो अन्त में होगा। जिस समय बाबा को नई दुनिया का फाउन्डेशन डालना है। तो कौन होगा वो युगल?

तीसरा जिज्ञास्:- लक्ष्मी नारायण।

बाबा:- लक्ष्मी नारायण। वो कौन थे?

जिज्ञासु:- ब्रहमा बाबा का बड़ी बहन।

बाबा:- बड़ी बहन और बहनोई। वो आखरी जीवन में भी सात्विक जीवन था। सच्चे हीरों की दुकान बैठ करके चलाते थे। आखरी जीवन में भी सच्चाई थी। लेकिन थे पितत। सबसे ज्यादा पितत कौन था? अरे अन्त में आके सबसे ज्यादा पितत भी कौन होगा? राम वाली आत्मा। तो पित्नयाँ रखेगा कि नहीं ज्यादा? (किसी ने कहा- रखेगा।) फिर? दादा लेखराज का जो नजदीक आना वो किसके नजदीक आयेगा? बड़ी माँ के नजदीक

आयेगा कि छोटी माँ के नजदीक आयेगा? या भागीदार के नजदीक आयेगा अपनी बात कहने के लिये? किसके पास आकर के उसको हिम्मत पड़ेगी?

**Student:** What all will happen?

**Baba:** What all will happen? © There must be such a couple in the beginning of the *yagya*. Whatever happened in the beginning will happen in the end, at the time when Baba has to lay the *foundation* of the new world. So, who will be that couple?

A third Student: Lakshmi and Narayan. Baba: Lakshmi and Narayan. Who were they?

Student: Brahma Baba's elder sister.

**Baba:** The elder sister and the brother-in-law. He was leading a true life even in the last birth. He used to run a shop of true diamonds. There was truth in his last life as well. But he was sinful. Who was the most sinful? *Arey*, who will be the most sinful in the end? The soul of Ram. So, will he have more wives or not? (Someone said: He will.) Then? To whom will Dada Lekhraj come close? Will he come close to the senior mother or to the junior mother? Or will he come closer to the partner to speak about his visions? Coming close to whom will he have the courage [to disclose his visions]?

जिज्ञास्:- छोटी माँ।

बाबा:- छोटी माँ के पास?

जिज्ञास्:- मतलब जो नजदीक है उसके पास जाते हैं।

बाबा:- तो कौन नजदीक है? सारे जिन्दगी लौकिक जीवन में ज्यादा नजदीक कौन था? बहमा बाबा ने अपने बड़ी बेटी किसके पास रख दी?

तीसरा जिज्ञास्:- वैष्णवी देवी।

बाबा:- वैष्णवी देवी के पास रखा। तो नजदीक था तभी तो रखा। अगर आत्मीयता न होती तो अपने लड़की को उनके पास क्यों रख देता? निर्मलशान्ता दादी को कहाँ रखा? जिज्ञास्:- राधा बच्ची के पास।

बाबा:- फिर?

**Student:** The junior mother. **Baba:** The junior mother?

**Student:** It means that he goes to the person who is close to him.

**Baba:** So, who is closer? Who was closer to him throughout his *lokik* life? To whom

did Brahma Baba entrust his elder daughter?

The third student: Vaishnavi Devi.

**Baba:** He entrusted her to Vaishnavi Devi. So, he entrusted because he was close to her. If there was no relationship, why would he keep his daughter with her? Where did he keep Nirmalshanta Dadi?

Student: With daughter Radha.

Baba: Then?

दूसरा जिज्ञासु:- वो तो ठीक है बाबा लेकिन साक्षात्कार का डिटेल...

बाबा:- वो तो जिसके नजदीक होगा उसी को तो पहले सुनायेगा जा के न। अच्छा इतना तो बुद्धि में आ गया कि ये तो सारे झूठे हैं गुरू, गोसाईं वाराणसी के पण्डितों तक। ये तो उन्होंने दिल में सोचा कि हमारी दुकान का जो भागीदार है वो बहुत होशियार है, सच्चा आदमी है। उसकी सच्चाई की, उनकी पण्डिताई की धाक तो जमी हुई थी उनकी बुद्धि में। तब तो कलकत्ता याद आया। तो किसके घर पहुचेंगे? बहनोई के घर ही पहुँचेंगे। और बहनोई और बहन दोनों में से ज्यादा नजदीक उनके कौन था? बहन ही ज्यादा नजदीक थी। उसको पहले सुनाया।

दूसरा जिज्ञास्:- लेकिन कोर्स में बताया कि गीता माता को पहले स्नाया।

बाबा:- हाँ, तो गीतायें भी तो दो हैं एक है गीता कि दो हैं? कितनी हैं? गीतायें भी दो हैं। एक सुनने सुनाने का फाउण्डेशन डालने वाली। नहीं है? और एक गीता वो है जो प्रैक्टिकल प्योरिटी की भासना कराने वाली है।

The second student: That's all right Baba, but the details of the visions....

**Baba:** He will go and narrate only to the one who is close to him, will he not? *Acchaa*, his intellect realized at least this much that all these gurus and saints, including the pandits of Varanasi are liars. He thought in his mind that the partner of his shop is very intelligent, he is a true person; his truthfulness, his erudition had left an impression on his intellect. That is why Kolkatta came to his mind. So, whose house will he reach? He will reach only the house of his brother-in-law (*bahnoi*). And between his sister and brother-in-law, who was closer to him? The sister herself was closer. He narrated to her first.

**The second student:** But it was told in the course that he narrated first to mother Gita.

**Baba:** Yes, so the Gitas are also two. Are there two Gitas or one Gita? How many are there? Gitas are also two. One of them is the one who lays the *foundation* of listening and narrating. Isn't she that? And the other Gita is the one who makes [us] experience purity in practice.

दूसरा जिज्ञास:- तो दोनों मातायें वहाँ मौजूद थी?

बाबा:- तभी तो त्रिमूर्ति बनेगी। एक माता हो मौजूद, एक माता मौजूद न हो तो त्रिमूर्ति कैसे बनेगी? दोनों मातायें मौजूद थीं और प्रजापिता भी मौजूद था। छोटी माँ ने बात बड़ी माँ को बताई होगी।

दूसरा जिज्ञासु:- पहले छोटी माँ ने ही सुना ...

बाबा:- दादा लेखराज ज्यादा नजदीक किसके थे?

दूसरा जिज्ञासु:- अपनी बहन के।

बाबा:- बहन के नजदीक थे। तो सुनाया कि हमारी तो हिम्मत पड़ नहीं रही है ये बात बहनोई को बताने की, तुम बता देना। तो जिस समय बताया उस समय वो बड़ी माँ भी थी साथ में।

**The second student:** So, were both the mothers present there?

**Baba:** Only then will the *trimurty* (the three personalities) be formed. If one mother is present and the other mother is not present, then how will *trimurty* be formed? Both the mothers were present and Prajapita was also present. So, the junior mother must have narrated the topic to the senior mother.

The second student: First it was the junior mother who listened...

**Baba:** To whom was Dada Lekhraj closer?

The second student: To his sister.

**Baba:** He was closer to his sister. He narrated to her: I am not able to gather courage to tell [this] to my brother-in-law; you, please tell him. So, when he narrated, at that time the senior mother was also with her.

### तीसरा जिज्ञास्:- गीता माता।

बाबा:- गीता माता। तो तीनों के बीच में वो बात आई। उसमें बड़ी माँ ने हिम्मत की सेवक राम को सुनाने की। छोटी माँ हिम्मत नहीं कर पाई। बड़ी माँ ने हिम्मत की, हिम्मत करके सुनाया कि दादा लेखराज को ऐसे-ऐसे साक्षात्कार हुये। उन्होंने ऐसे-ऐसे अनुभव किया। यहाँ-वहाँ भटकते रहे। कहीं उनको समाधान नहीं मिला। इन साक्षात्कारों का क्या अर्थ है? मतलब क्या है? क्यों हुये? उसी समय शिवबाबा ने प्रवेश कर लिया। तो सुनने सुनाने की शूटिंग भी बड़ी माँ के द्वारा हुई। क्या? बोल-2 करने की शूटिंग किसके द्वारा हुई?

तीसरा जिज्ञास्:- बड़ी माँ के द्वारा।

बाबा:- बड़ी माँ के द्वारा। और समझने और समझाने की शूटिंग किसके द्वारा हुई? ( किसी ने कहा :- छोटी माँ के द्वारा।)

The third student: Mother Gita.

**Baba:** Mother Gita. So, that topic arose in the presence of all the three. Among them, the senior mother showed the courage to narrate to Sevakram. The junior mother could not show courage. The senior mother showed courage and spoke: Dada Lekhraj had such and such visions. He had such and such experiences. He wandered at these places [but] did not get the solution anywhere. What is the meaning of these visions? What do they mean? Why did he have [visions]? At that very time Shivbaba entered her (the senior mother). So, the *shooting* of listening and narrating was performed by the senior mother. What? Through whom was the shooting of speaking performed?

**The third student:** Through the senior mother.

**Baba:** Through the senior mother. And through whom did the *shooting* of understanding and explaining take place? (Students: Through the junior mother.)

अरे! बाप के द्वारा समझने और समझाने की शूटिंग हुई। और धारण करने की शूटिंग किसके द्वारा हुई? छोटी मम्मी । छोटी मम्मी ने उन बातों को अन्दर-2, अन्दर-2 आत्मासात कर लिया। बोल-2 करने वाला तो सुनायेगा, सुनेगा और सबको बुल- बुल बलबला देगा। खुद के जीवन में वो धारणा हो या न हो। वो ही पार्ट अभी भी है। बड़ी माँ

अभी जीभ निकाल करके सारी दुनिया में ज्ञान को फैलायेगी। सब ध्यान से सुनेंगे। लेकिन प्रैक्टिकल जीवन में क्या करेगी? शंकर जी की छाती पर लात रखेगी। बेइज्जती करेगी पूरी अच्छी तरह से। ज्ञान तो सुनायेगी लेकिन ज्ञान ग्लानी का होगा या ज्ञान होगा? ग्लानी का ज्ञान होगा। दुनिया वाले ग्लानी ज्यादा सुनते हैं प्यार से, रमक से या ज्ञान ज्यादा रमक से सुनते हैं? ग्लानी को बड़ी रमक से सुनते हैं। ड्रामा बना हुआ है।

Arey! The shooting of understanding and explaining took place through the father. And through whom did the shooting of assimilating it take place? The junior mother. The junior mother assimilated those topics within her. The one who speaks more will narrate to the others. He will listen to [something] and speak it out to everyone. It doesn't matter whether he assimilates it in his own life or not. That part is being played even now. Now the senior mother will take her tongue out and spread the knowledge in the whole world. Everyone will listen [to her] attentively. But what will she do in the life in practice? She will place her leg on Shankarji's chest. She will insult him completely. She will definitely narrate knowledge, but will the knowledge have defamation or will it be knowledge? It will be knowledge of defamation. Do the people of the world listen to defamation lovingly, with interest or do they listen to the knowledge with more interest? They listen to defamation with interest. This drama is preordained.

### समय: 01.08.07-01.09.10

जिज्ञासु:- बाबा, सेवक राम की अचानक मौत हो गयी, हत्या की गई। फिर भी उसको सूक्ष्म शरीर नहीं मिलता तुरन्त जन्म...

बाबा:- एक योद्धा युद्ध में लड़ता है, शरीर छोड़ देता है अचानक, गर्दन कटी, अचानक शरीर छोड़ दिया। उसको स्वर्ग मिलेगा या नर्क मिलेगा या भूत-प्रेत बनेगा? (किसी ने कहा- स्वर्ग।) श्रेष्ठ जगह जन्म लेगा ना। ऐसे ही है। ये भावना की बात है। उस समय जब विस्फोट हुआ यज्ञ के आदि में, भागी तो उस समय भी। मक्खन चुराया, गोपियों को भगाया, ये सब कंलक किसके ऊपर लगे ? पहले ब्रह्मा के उपर लगे या पहले बाप के उपर लगे? बाप के उपर लगे। उसने तो सच्चाई से मुकाबला किया। जो सच्चाई से मुकाबला करेगा वो भूत-प्रेत बनेगा, नर्क में जन्म लेगा या श्रेष्ठ जगह जन्म लेगा? श्रेष्ठ जगह जन्म लेता है।

#### Time: 01.08.07- 01.09.10

**Student:** Baba, Sevakram met a sudden death, he was murdered. Even then, he doesn't take on a subtle body, he is born immediately...

**Baba:** A warrior fights in a war and leaves his body suddenly; he was beheaded [and] he left his body suddenly. Will he get heaven, hell or will he become a ghost or spirit? (Someone said: Heaven.) He will be born in an elevated place, will he not? Similar is this case. It is about the feelings. At that time, when an explosion took place in the beginning of the *yagya*, they (virgins and mothers) ran away [from their homes] then too. He stole butter, he made the *gopis* to elope – against whom were these allegations

leveled? Were they leveled first against Brahma or against the Father? They were leveled against the Father. So, he truthfully faced them. Will the one who faces truthfully become ghost and spirit, will he be born in hell or will he be born in an elevated place? He is born in an elevated place.

समय: 01.09.15-01.11.12

जिज्ञासु:- बाबा सात नारायण को सात जन्म में गद्दी मिलती है, वैसे ही 16000 प्रिंस प्रिंसज जो बनते हैं उनको भी कहीं न कहीं ...?

बाबा:- उनको भी नम्बरवार गद्दी मिलेगी। गद्दी कहाँ होती है प्रिंस प्रिसेंज को? जो राजा बनते हैं, उनको गद्दी मिलती है प्रिंस-प्रिंसेज तो, उनको लकब मिल जाता है। राजकुमार, राजकुमारी।

जिज्ञासु:- लेकिन सात नारायण तो राजा नहीं थे न। वो 108 के माला में नहीं हैं फिर भी उनको गद्दी मिलता है न?

बाबा:- प्रवेश नहीं करते हैं? जैसे ब्रहमा की सोल नारायण बनती है, वो प्रवेश करके पार्ट नहीं बजाती हैं। तो आधा हिस्सा लेती नहीं है? पहले जो नर-नारायण बनने वाला है उसका बच्चा बन गई न। तो ऐसे ही दूसरा नारायण भी किसका बच्चा बनेगी? (जिज्ञासु-कृष्ण) कृष्ण का? नहीं, नहीं। जिसमें प्रवेश करेंगे उसके द्वारा वो हिस्सा लेंगे कि नहीं अपना? इन्सप्रेटिंग पार्टी कौन है? वो हैं इन्सप्रेटिंग पार्टी कि नहीं? (जिज्ञासु - हाँ।) तो उमंग उत्साह बढ़ाते हैं तो उसका हिस्सा नहीं मिलेगा? सारा हिस्सा इन्जीनियर ही ले जायेंगे क्या? या मकान बनाने वाले मजदूर ही सारा हिस्सा ले जायेंगे? मकान मालिक को कुछ नहीं मिलेगा बिचारे को? बनाने के लिये प्रेरित कौन करता है? (किसी ने कहा-इन्सप्रेटिंग पार्टी।)

Time: 01.09.15-01.11.12

**Student:** Baba, seven Narayans get the throne in the seven births; similarly, those who become 16000 princes and princesses also get [throne] somewhere or the other?

**Baba:** They too will get thrones sooner or later (according to their rank). The princes and princesses do no get a throne. Those who become kings, they get a throne; the princes and princesses get a title of prince and princess.

**Student:** But the seven Narayans were not kings, were they? They are not included in the rosary of 108; yet they get a throne, don't they?

**Baba:** Don't they enter [the *Rudramala* beads]? For example, the soul of Brahma becomes Narayan; does it not enter and play a *part*? So, doesn't it take half of the share? It became the son of the one who transformed [himself] from a man to Narayan, the first Narayan, did it not? So, similarly, whose son will the second Narayan become? (Someone said: Of Krishna.) Of Krishna? No, no. Will they not take their share from the one whom they enter? Who is the *insipirating party*? Are they the *inspirating party* or not? (Student said: Yes.) They increase the zeal and enthusiasm. So, will they not get their share? Will the engineers themselves carry away the entire share? Or will the labourers who build the house take the entire share

away? Will the poor house owner get nothing? Who inspires them to build? (Someone said: Inspirating party.)

दूसरा जिज्ञास्:- बाबा, सात नारायण ही इन्सप्रेटिंग पार्टी वाले हैं?

बाबा:- इन्सप्रेंटिग पार्टी वाले सात नारायण ही क्यों हैं? उनका कुल व गोत्र बहुत बड़ा है। सात नारायण ही प्रवेश करके पार्ट बजायेंगे? और नहीं प्रवेश करके पार्ट बजायेंगे?

दूसरा जिज्ञास:- और भी प्रवेश करेंगे।

बाबा:- हं।

**Another student:** Baba, do only the seven Narayans constitute the inspirating party? **Baba:** Why will **only** the seven Narayans constitute the *insipirating party*? Their clan or family is very big. Will only the seven Narayans enter and play their *part*? Won't the others enter and play their *part*?

The other student: Others will also enter.

Baba: Hmm.

समय: 01.11.15-01.12.40

जिज्ञास्:- बाबा, आदि में बाप एक तरफ और बच्चे एक तरफ हो गए।

बाबा:- बच्चे नहीं। एक आत्मा एक तरफ और सारी दुनिया दूसरी तरफ माने जो यज्ञ के अन्दर थे वो भी विरोधी बन गए।

जिज्ञास्:- बाबा अभी अन्त में भी होगा?

बाबा:- बिल्कुल होगा। होगा नहीं तो माला कैसे बनेगी? नम्बर एक, नम्बर दो, नम्बर तीन। नम्बर नहीं बनेंगे?

Time: 1.11.50-01.12.40

**Student:** Baba, in the beginning the Father was on one side and the children were on the other side.

**Baba:** Not children. One soul was on one side and the entire world was on the other side; it means that those who were in the *yagya* also became opponents.

**Student:** Baba, will that happen now in the end as well?

**Baba:** It will definitely happen. If it doesn't happen, how will the rosary be formed? Number one, number two, number three. Will the ranks not be given?

जिज्ञासु:- माला बनने के लिये ऐसे...

बाबा:- विनाश भी होना जरुरी है। माला बनती है तो पहले फूल तोड़े जाते हैं कि नहीं? बिना तोड़े माला बन जायेगी? (जिज्ञासु: नहीं।) तो फिर? यज्ञ के आदि में तो माला बनते-2 टूट गई। क्योंकि ज्ञान पूरा नहीं था। और अभी? अभी तो ज्ञान पूरा है। अच्छी तरह से समाया हुआ है बुद्धि में। तो इसलिये माला बनते-2 अभी, कुछ आत्मायें रह जायेंगी टूटेंगी नहीं। कितने होंगे? 8 होंगे।

**Student:** In order to form the rosary...

**Baba:** Destruction is also necessary. © When a garland is prepared, are the flowers plucked [from the plants] first or not? Will the garland be prepared without plucking [the flowers]? (Someone said: No.) Then? © In the beginning of the *yagya*, the rosary was broken while it was being prepared because there wasn't the complete knowledge. And now? Now there is the complete knowledge. It is nicely assimilated in the intellect. This is why some souls will remain while the rosary is being prepared now. They will not break away. How many will they be? They will be eight [deities].

समय: 01.12.41-01.13.33

जिज्ञासु:- बाबा, कन्नड़ में कुमार व्यास कवि का नाम बहुत बाला है। कुमार व्यास कन्नड कवि है।

बाबा:- कन्नड में कविता करने वाले...

जिज्ञासु:- कुमार व्यास उसका महाभारत बहुत प्रसिद्ध है ।

बाबा:- क्मार व्यास महाभारत।

जिज्ञासु:- क्मार व्यास भारत। वो किसका पार्ट है?

बाबा:- महाभारत जिन्होंने-2 लिखा है जिन्हानें महाभारत को चौड़ा चकरा कर दिया, विस्तार में ला दिया है, उनमें वो भी है। पहले महाभारत सिर्फ एक लाख श्लोकों का था। अभी तो बढ़ा कर के चार लाख श्लोकों का कर दिया, साढ़े चार लाख। पूरी लाईब्रेरी ही भर जाती है महाभारत से।

Time: 1.12.41-01.13.33

Student: Baba, poet Kumar Vyas is very famous in Kannada. Kumar Vyas is a

Kannada poet.

**Baba:** The one who wrote poems in Kannada

**Student:** Kumar Vyas, the Mahabharata he wrote is very famous.

Baba: Kumar Vyas Mahabharat.

**Student:** [It is named] Kumar Vyas Bharat. Whose part is it?

**Baba:** All those who wrote the Mahabharata, all those who have expanded it, he too is one of them. Mahabharata consisted of only one lakh *shlokas* (verses) initially. Now it has been expanded to four lakh *shlokas*, four and a half lakh [*shlokas*]. The entire *library* is occupied by Mahabharat. (Concluded.)